पेज : 2

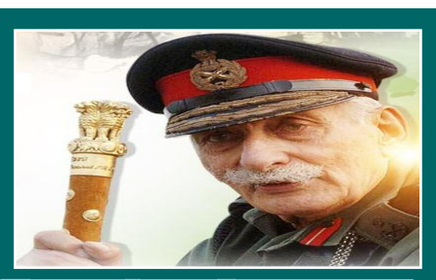

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 03 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 07 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड पहुंचे

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को आयोजित होने वाले छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड पहुंच चुके हैं. इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा पर रवाना हुए. ताजा जानकारी के मुताबिक थाइलैंड पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया. इस मौके पर एयरपोर्ट पर भारी संख्या में प्रवासी भारतीय भी मौजूद रहे, जिनसे पीएम मोदी ने गर्मजोशी से अभिवादन किया. बता दें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के दौरान जिस होटल में ठहरेंगे, वहां कलाकार गरबा करते हुए भारतीय समुदाय के लोग उनका इंतजार कर रहे हैं. इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा करेंगे और इस दौरान छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. इसके बाद, वह श्रीलंका की राजकीय यात्रा पर जाएंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह अगले तीन दिनों तक थाईलैंड और श्रीलंका में रहेंगे और इन देशों तथा बिम्सटेक देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करेंगे. उन्होंने अपने कार्यक्रम की भी जानकारी दी, जिसमें थाईलैंड के अपने समकक्ष पैतोंगटार्न शिनावात्रा के साथ बैठक और बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेना शामिल है. अपनी यात्रा के दौरान वह थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न से भी मिलेंगे.प्रधानमंत्री मोदी के एक पोस्ट में कहा गया कि आज बैंकॉक में प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा से मिलकर भारत-थाईलैंड मैत्री के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा होगी. इस-ाके साथ ही शुक्रवार को बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल होने का कार्यक्रम है. श्रीलंका की अपनी आगामी यात्रा पर एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि यहां की यात्रा 4 से 6 तारीख के बीच होगी. श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार की हाल की भारत यात्रा के बाद पीएम मोदी दौरे पर जा रहे हैं. पीएम मोदी के अनुसार वह बहुआयामी भारत-श्रीलंका मैत्री की समीक्षा करेंगे और सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे.

उल्लेखनीय है कि थाईलैंड के पीएम पैतोंगतार्न शिनावात्रा के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 4 अप्रैल को आयोजित होने वाले छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 3 से 4 अप्रैल तक बैंकॉक, थाईलैंड की यात्रा पर हैं. थाइलैंड वर्तमान में बिम्सटेक का अध्यक्ष है और वह इसकी मेजबानी करेगा. यह प्रधानमंत्री की थाईलैंड की तीसरी यात्रा होगी. विदेश मंत्रालय ने कहा कि 2018 में नेपाल के काठमांडू में आयोजित चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद बिम्सटेक नेताओं की यह पहली फिजिकल बैठक होगी. पिछला यानी पांचवां बिम्सटेक शिखर सम्मेलन मार्च 2022 में श्रीलंका में वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था. छठे शिखर सम्मेलन का विषय है 'बिम्सटेक - समृद्ध, लचीला और खुला.' शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं द्वारा बिम्सटेक सहयोग को और अधिक गति प्रदान करने के तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है.

यांमार के लोगों ने जताया आभार, यांमार के लोगों ने जताया आभार

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी । यांमार में 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत तेजी से राहत और बचाव अभियान शुरू किया है। इस संकट की घड़ी में भारतीय राहत दल की त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की टीमें मलबे में फंसे लोगों को निकालने और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। वहीं भारतीय नौसेना और वायुसेना भी राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस मदद के लिए यांमार के स्थानीय लोगों ने भारत के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है, और भारतीय नेतृत्व के लिए आशीर्वाद की कामना कर रहे हैं। एनडीआरएफ टीम की सदस्य कविता सिंह ने बताया कि गर्मी और समय बीतने के कारण जीवित बचे लोगों के मिलने की संभावना कम हो गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि तमाम बाधाओं और जोखिमों के बावजूद एनडीआरएफ टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ. राहत अभियान चला रही है। एक अन्य एनड-ीआरएफ सदस्य ने बताया कि 57 कर्मियों की टीम यांमार में बचाव कार्य में लगी हुई है और उन्हें 13 स्थानों पर काम सौंपा गया है। भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत यांमार को 625 मीट्रिक टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री भेजी है। एनडीआरएफ की 80 सदस्यीय शहरी खोज और बचाव टीम को भारतीय वायुसेना के ष्ट 130 ह यूलिस विमान से दो बार में भेजा गया। इसके अलावा भारत ने चिकित्सा सहायता भी प्रदान की है। भारतीय सर्जनों ने यांमार में दो जीवनरक्षक सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं। राहत कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे मांडले डि-

वीजन के लेटिनेंट जनरल यो मो आंग ने भारत के प्रयासों की सराहना की। भारतीय नौसेना के आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सवित्री ने 40 टन राहत सामग्री लेकर 29 मार्च को यांगून के लिए प्रस्थान किया, जिसे 1 अप्रैल को सौंपा गया। इसके बाद आईएनएस करमुक और एलसीयू 52 ने 30 टन अतिरिक्त राहत सामग्री पहुंचाई गई। वहीं विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत जरूरत के अनुसार और सहायता भेजने के लिए तैयार है। ऑपरेशन ब्रह्मा भारत की "पहला मददगार" की भूमिका को दशार्ता है, जिससे यह साबित होता है कि भारत अपने पड़ोस में प्राकृतिक आपदाओं के समय त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह संशोधन समानता लाएगा, संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करेगा : भाजपा नेता

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। राजीव चंद्रशेखर ने लोकसभा द्वारा विवादास्पद वक्फ संशोधन विधेयक को पारित किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे देशभर के नागरिकों के लिए संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करने के महत्वपूर्ण कदम के रूप में बताया। चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को फेसबुक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस सरकारों द्वारा दशकों तक पोषित की गई वक्फ प्रणाली ने नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर किया और उन्हें उनकी संपत्ति के स्वामित्व से वंचित कर दिया। "यह संशोधन समानता लाएगा, संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करेगा और देश के विभिन्न हिस्सों में प्रभावित लोगों को राहत देगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार हर नागरिक को न्याय, समानता और अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा ने बुधवार को, विपक्षी दलों के कड़े विरोध और 12 घंटे से अधिक चर्चा के बाद, वक्फ विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 को देर रात पारित किया।

देश की नारी शक्ति पर अब आरएसएस की है नजर

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी। भारत के इतिहास में वीरांगनाओं की कहानियां हमेशा प्रेरणादायक रही हैं। चाहे वह 16वीं सदी की रानी अब का हों, जिन्होंने पुर्तगालियों से लोहा लिया या फिर रानी दुर्गावती जिन्होंने मुगलों के खिलाफ वीरतापूर्वक संघर्ष किया। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इन ऐतिहासिक नायिकाओं को अपने सांस्कृतिक एजेंडे में खास जगह दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों से आरएसएस इन वीरांगनाओं की जयंती को बड़े स्तर पर मना रहा है। संघ के वरिष्ठ नेता दात्रेय होसबले ने हाल ही में रानी अब का की 500वीं जयंती पर उन्हें एक कुशल प्रशासक और महान रणनीतिकार बताया। इसी तरह, लोकसभा चुनावों से पहले रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती भी मनाई गई थी। इन आयोजनों के पीछे संघ की रणनीति पर अब सियासी विश्लेषण शुरू हो गया है। कई सियायी पंडितों का मानना है कि संघ का यह कदम महिलाओं को हिंदुत्व से जोडड़े और महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश है।

चिराग पासवान ने मुस्लिम मतों के खिलाफ खड़े होकर समर्थन जताया.....

बिहार में वक्फ बिल से शुरू होगा बीजेपी का 'खेला

83 बनाम 17 का फॉमूर्ला तय, एनडीए के लिए बनाए नए समीकरण

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। यह भगवा का प्रभाव है या कट्टर मुस्लिम के विरुद्ध प्रगतिशील मुस्लिम का साथ, पर एक हैरतअंगेज बात तो हुई कि जदयू एमएलसी गुलाम गौस के बयान को झुठलाते हुए नीतिश कुमार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के समर्थन में पत्र तक जारी कर दिया। इसके साथ जिस दल यानी लोक जनशक्ति पार्टी ने मुस्लिम मु यमंत्री न बनाने को लेकर राष्ट्रीय जनता दल को समर्थन नहीं दिया, उस दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी व फ संशोधन बिल का भरपूर समर्थन कर न केवल एनडीए की मजबूती का संकेत दिया, बल्कि 17 प्रतिशत मुस्लिम मत के विरुद्ध खड़े भी हुए। आखिर ऐसी कौन सी राजनीतिक परिस्थिति आई, जहां 83 प्रतिशत जनता के साथ एनडीए खड़ा हो

गया। व फ संशोधन बिल वैसे तो अपने गठबंधन के सहयोगी दल के भरोसे भाजपा नसदन के पटल पर रखने की जरूरत महसूस की। तब भी एक संशय खास कर से युलर राजनीति की जड़ में टीडीपी और जदयू को लेकर बनी हुई थी लेकिन जिस तरह से व फ संशोधन बिल के समर्थन में बिहारएनडीए एकजुट हुआ, वह महागठबंधन की फजीहत का मार्ग खोलता दिखा। मु यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतनराम मांझी की पार्टियों ने भीइस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को न केवल अपना समर्थन दिया, बल्कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जनता दल यू ने तो व्हिप जारी कर अपने सभी सांसदों को अगले दो दिनों तक सदन में उपस्थित रहने का निर्देश तक जारी कर दिया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तो एक कदम आगे बढ़ कर यह कह डाला कि जब व फ संशोधन बिल पास होगा, उस दिन देश के हर मुसलमान 'मोदी है तो मुमकिन कहेंगे।

बता दें, केंद्र सरकार ने बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया है। कल शाम तक तो एनडीए के भीतर एक संग्राम सा छिड़ा था, मगर शाम में जनता दल यू और लोजपा (आर) ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में सरकार के फैसले का समर्थन करने को कहकर महागठबंधन को निराश कर डाला।

आवास से निकलते ही लालू यादव की तबीयत और ज्यादा बिगड़ी, पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया

● तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी भी एयरपोर्ट से सीधे पारस अस्पताल पहुंचे

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। पटना में आ-रजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई है. बुधवार की दोपहर उनको पारस अस्पताल में ले जाया गया है. घर से निकल कर एयरपोर्ट जाते वक्त लालू यादव का ब्लड प्रेशर लो हो गया था. जिस वजह से आनन-फानन में उनको एयरपोर्ट के बजाए सीधे पारस अस्पताल ले जाया गया. तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी भी एयरपोर्ट से वापस लौट आईं हैं और पारस अस्पताल पहुंची हैं. पहले सभी लोग उनको इलाज के दिल्ली ले कर जा रहे थे, लेकिन अचानक तबीयत ज्यादा खराब हो गई. दरअसल आ-रजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की आज सुबह तबीयत अचानक खराब हो गई उसके बाद उनका इलाज रबड़ी आवास में किया गया और फिर वह दिल्ली के लिए रवाना होने एयरपोर्ट जा रहे थे. लालू यादव के दिल्ली जाने के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट बुक की गई थी. राबड़ी आवास से वह पटना एयरपोर्ट के लिए निकले थे. दिल्ली में ही उनका इलाज होना था. उनकी पत्नी राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष एंव उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव भी उनके साथ जाने वाले थे. फिलहाल सभी लोग अभी पारस में मौजूद हैं. जानकारी के अनुसार,उनके नियमित रूटीन चेक-अप के दौरान पता चली, जहां मेडिकल रिपोर्ट में ब्लड शुगर के स्तर में चिंताजनक वृद्धि देखी गई। बुधवार सुबह उनकी तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम पटना स्थित राबड़ी आवास पर उनकी निगरानी में

लगी हुई है। आपको बता दे कि लालू प्रसाद यादव का 2022 में सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, इसके बाद, सितंबर 2024 में मुंबई में उनकी एंजियोप्लास्टी की गई थी, जिसमें उन्हें एक स्टेंट लगाया गया था। इससे पहले 2014 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी भी हो चुकी है। परिवार के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और समर्थक उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं।

अगर कोई रोमांटिक रिश्ता टूट जाता है, तो महिला को बलात्कार का केस दर्ज नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। सुप्रीम कोर्ट ने शादी का वादा असफल रहने पर लड़की द्वारा बलात्कार का मामल दर्ज कराये जाने पर चिंता जताई. कोर्ट का कहना था कि अगर कोई रोमांटिक रिश्ता टूट जाता है, तो इसके चलते महिला को बलात्कार का केस दर्ज नहीं करना चाहिए. कोर्ट ने साफ किया कि ऐसा करना गलत है और इसके पीछे पुरानी सोच काम करती है, जिसमें हर बार पुरुष को ही दोषी मान लिया जाता है. जिसने उस महिला द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए बलात्कार के आरोपों को खारिज करने की मांग की थी, जिसके साथ उसकी सगाई हुई थी. महिला ने दावा किया कि शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ यौन संबंध बनाए गए. पीठ ने कहा कि असफल रोमांटिक रिश्तों के परिणामस्वरूप महिलाओं द्वारा बलात्कार के मामले नहीं होने चाहिए. पीठ ने कहा कि अगर वह शिकायतकर्ता से सहमत होती है, तो कॉलेज आदि में लड़के और लड़की के बीच कोई भी संबंध दंडनीय हो जाएगा. पीठ ने महिला के वकील से कहा कि वह बालिग है और ऐसा नहीं हो सकता कि उसे यह विश्वास दिलाया गया हो कि उसकी शादी हो जाएगी आदि. पीठ ने कहा कि उचित सम्मान के साथ कहा जाए तो आज युवाओं के बीच नैतिकता और सद्गुणों की अवधारणा अलग है. पीठ ने कहा, रूढ़िवादी मानसिकता काम कर रही है, क्योंकि यहां पुरुष को दोषी ठहराया जा रहा है. हमारी व्यवस्था में खामियां हैं. लड़की के वकील ने तर्क दिया कि वर्तमान मामले में सहमति को स्वतंत्र सहमति नहीं कहा जा सकता है, और इस बात पर जोर दिया कि सहमति की अवधारणा महत्वपूर्ण है. वकील ने प्रस्तुत किया कि वे सगाई कर चुके थे. और यह पुरुष के लिए आकस्मिक सेक्स हो सकता है, लेकिन महिला के लिए नहीं. पीठ ने कहा कि मामले को निष्पक्ष रूप से देखा जाना चाहिए, न कि केवल पीड़ित के दृष्टिकोण से. न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, "हम इसे केवल एक नजरिए से नहीं देख सकते.मेरी भी एक बेटी है और अगर वह भी इस स्थिति में है तो मुझे इसे व्यापक नजरिए से देखने की जरूरत है. अब देखिए इस मामले में, क्या इतनी कमजोर सामग्री के आधार पर दोषसिद्धि सुनिश्चित की जा सकती है. पीठ ने महिला के वकील से आगे पूछा, "आपने इस विकल्प के साथ रिश्ता स्वीकार किया कि इसे किसी दिन तोड़ा जा सकता है.

अनुराग ठाकुर के बयान पर खरगे का पलटवार, कहा- 'झुकुंगा नहीं...

"आरोप साबित करें, नहीं तो इस्तीफा दें" : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा में बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा आरोपों को पलट-वार करते हुए जबाव दिया है। खरगे ने कहा कि मुझ पर लगे आरोप साबित करें। कांग्रेस ने कहा कि ये आरोप बेबुनियाद हैं और उन्होंने सदन के नेता से इस पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके साथ ही, कांग्रेस ने अनुराग ठाकुर से माफी मांगने की भी मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को राज्यसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठ-ाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब फिल्मी अंदाज में दिया। बता दें कि अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान खरगे पर आरोप लगाया था कि उन्होंने वक्फ की जमीन हड़पी है। खड़गे अनुराग के बयान पर खरगे ने जवाब देते हुए कहा, "अगर बीजेपी मुझे डराना चाहती है, तो मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट सकता हूं, लेकिन झुकूंगा नहीं।" उन्होंने कहा कि उनका जीवन हमेशा संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है, लेकिन उन्होंने हमेशा स-ार्वजनिक जीवन में उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। खड़गे ने अनुराग ठाकुर के आरोपों को झूठा और निराधार बताते हुए माफी की मांग की। खड़गे ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अगर अनुराग ठाकुर अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते, तो उन्हें संसद से इस्तीफा दे देना चाहिए। खड़गे ने कहा, "अगर वह साबित कर दें कि वक्फ की किसी भी जमीन पर मेरा या मेरे परिवार का कब्जा है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।" खड़गे ने कहा कि वह इन आरोपों से नहीं डरते क्योंकि वह एक मजदूर के बेटे हैं। इससे पहले, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में वक्फ बिल के खिलाफ कांग्रेस पर तीखा हमला किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का गलत इस्तेमाल किया और इसका उपयोग अपने "वोट

बैंक एटीएम" के रूप में किया।

● वक्फ विधेयक के नाम पर देश में भ्रम फैलाया जा रहा है: अमित शाह

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पास, पक्ष में 288 जबकि विरोध में 232 मत पड़े

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। लोकसभा में 12 घंटे से अधिक मैराथन बहस के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को पास हो गया. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सभी को इस बिल पर बोलने का मौक दिया. बिल पर चर्चा पूरी होने के बाद वोटिंग कराई गई. इस विधेयक पर सत्तारूढ़ एनडीए ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इसका पुरजोर बचाव किया, जबकि विपक्ष ने इसे 'मुस्लिम विरोधी' बताया.

वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 288 मत पड़े.

विधेयक को विपक्षी सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सभी संशोधनों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया. मत विभाजन के बाद इसे पारित कर दिया गया. वक्फ (संशोधन) बिल के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े.

रिजिजू बोले- अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से अधिक सुरक्षित कोई स्थान नहीं है बहस का जवाब देते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से अधिक सुरक्षित कोई स्थान नहीं है और वे सुरक्षित इसलिए हैं क्योंकि यहां का बहुसंख्यक पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष है.उन्होंने कहा कि पारसी जैसे अल्पसंख्यक समुदाय भी भारत में सुरक्षित हैं और यहां सभी अल्पसंख्यक गर्व के साथ रहते हैं.

अल्पसंख्यक उत्पीड़न का सामना करने पर भारत में शरण लेते हैं:रिजिजू

मंत्री ने कहा कि जब भी किसी अल्पसंख्यक समुदाय को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, तो वह शरण लेने के लिए हमेशा भारत आता है. उन्होंने दलाई लामा और तिब्बती समुदाय, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका के अल्पसंख्यकों का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा,'बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक अपने-अपने देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने के बाद भारत आये. आप कैसे कह सकते हैं कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं. ऐसा कहना बहुत गलत है.उन्होंने कहा, 'आने वाली पीढ़ी आपको कभी माफ नहीं करेगी. भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं, क्योंकि देश के बहुसंख्यक पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष हैं.

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में ऐसा नहीं है. लेकिन फिर भी आप हमें गाली देते हैं.'

रिजिजू ने कहा कि विधेयक के माध्यम से एनडीए सरकार देश के सभी अल्पसंख्यकों को एकजुट करने जा रही है. उन्होंने विधेयक के लिए ईसाई समुदाय के पूरे दिल से समर्थन पर भी प्रकाश डाला.उन्होंने कहा, 'हम न्यायाधिकरणों में विवादों के समाधान में तेजी लाना चाहते हैं. न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान है.

वक्फ विधेयक के नाम पर देश में भ्रम फैलाया जा रहा है: अमित शाह

विधेयक के माध्यम से विधवाओं, तलाकशुदा और अनाथों को न्याय मिलेगा.' इससे पहले, बहस में हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अल्पसंख्यकों को डराकर वोट बैंक बनाया जा रहा है और वक्फ विधेयक के नाम पर देश में भ्रम फैलाया जा रहा है. उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी सरकार बहुत स्पष्ट सिद्धांत पर चलती है

कि हम वोट बैंक के लिए कोई कानून नहीं लाएंगे क्योंकि कानून न्याय और लोगों के कल्याण के लिए है. उन्होंने कहा, 'हर किसी को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है, लेकिन लालच, प्रलोभन और भय के लिए धर्म परिवर्तन नहीं किया जा सकता.

नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जायेगा पर आगे क्या होगा ?

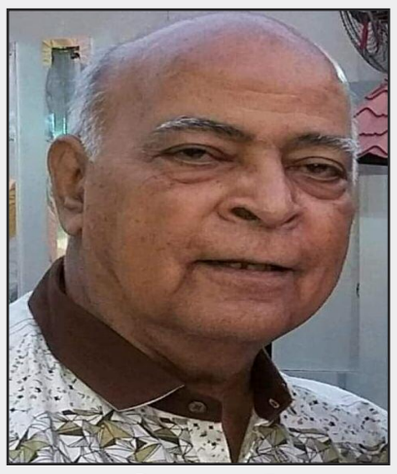

अशोक भाटिया

शाह की इन बातों की सीधा अर्थ है कि नीतीश को किनारे लगाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। दूसरे शब्दों में नीतीश के नाम पर कोई विवाद नहीं है। पर मोदी जी और नीतीश जी दोनों का नाम लेने और दूसरे खुलकर यह न कहने कि चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में स-रकार बनेगी, लोगों में संदेह बरकरार रह गया।

अमित शाह ने अपने बिहार के दौरे में एक बात तो स्पष्ट कर दी कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर यह बात कि चुनाव जीतने के बाद सीएम भी उन्हें ही बनाया जाएगा इस पर प्रकाश नहीं डाला। हालांकि पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम मे गृहमंत्री ने कहा कि 2025 में बिहार में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइये और भारत सरकार को बिहार के विकास का एक और मौका दीजिए। शाह ने यह भी कहा कि बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है। शाह की इन बातों की सीधा अर्थ है कि नीतीश को किनारे लगाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। दूसरे शब्दों में नीतीश के नाम पर कोई विवाद नहीं है। पर मोदी जी और नीतीश जी दोनों का नाम लेने और दूसरे खुलकर यह न कहने कि चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी, लोगों में संदेह बरकरार रह गया। हालांकि मोदी का नाम पीएम होने के नाते लेने का कोई दूसरा अर्थ नहीं लगाना चाहिए। पर राजनीति संभावनाओं का खेल है इसलिए हर बात के कई अर्थ निकाले जाते हैं। वैसे बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, बिहार के दो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पार्टी विधायकों और सांसदों की बैठक में अमित शाह ने घोषणा की कि चुनाव काल में नीतीश कुमार एनडीए के कप्तान होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं और भाजपा और लोक जनशक्ति पार्टी चुनाव से पहले उनका 100 फीसदी समर्थन करना मजबूरी रही हैं। भाजपा को बिहार की राजनीति में फिर से नीतीश कुमार का चेहरा आगे करना होगा। राज्य में हुए 2020 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने वास्तव में जीत हासिल की थी। भाजपा ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 74 विधायक चुने थे। जनता दल (यूनाइटेड) ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 43 विधायक जीते। महाराष्ट्र की तरह भाजपा पटना में भी मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कर सकती थी, लेकिन भाजपा ने उ-दारता से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद दे दिया, जिनके पास कम विधायक हैं। इस घटना को पांच साल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव के बाद पहले से ही इस बात को लेकर तर्क दिए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार को महा-राष्ट्र की तरह एकनाथ शिंदे जैसी भूमिका निभानी होगी या नहीं। जिस तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नेता बनाए

रखा कुछ लगता है उसी तर्ज पर बिहार में चुनाव लड़ने के मूड में है पार्टी। आपको याद होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक बार एक स्टेज पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एक साथ बैठे हुए थे। पत्रकारों ने फडणवीस से पूछा कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा। तो फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा करके कहा था हमारे मुख्यमंत्री तो यहीं हैं। पर परिणाम आने के बाद ऐसा हुआ नहीं । एकनाथ शिंदे अपना रोना लेकर रोते रहे पर पार्टी को कोई असर नहीं पड़ा। अंत में एकनाथ शिंदे डिप्टी मुख्यमंत्री बनने को तैयार हो गए। आज की तारीख में भाजपा बिहार में शायद इसी रणनीति पर काम कर रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद नीतीश कुमार डिप्टी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे , पर हो सकता है कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जाए। पार्टी चाहती है कि चुनाव में सभी लोग एकजुट होकर मेहनत करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीतीश की बढ़ती उम्र और उनकी तबीयत की चिंता को भाजपा समझ रही है। भाजपा ये मान कर भी चलती है कि नीतीश की इस स्थिति का फायदा विपक्ष हर हाल में उठाना चाहेगा। ऐसी स्थिति में भाजपा अगर खुलकर नीतीश कुमार को नेता मान लेती है तो इसमें पार्टी का कई तरह से नुकसान हो सकता है। नीतीश के मुख्यमंत्री कैंडिडेट घोषित करते ही भाजपा के समर्थक और कार्यकर्ता निष्क्रिय हो सकते हैं। ऐसी दशा में वे ढीले पड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में जो नीतीश के नेतृत्व से नाराज भाजपा के वोटर हैं वो सीधे-सीधे प्रशांत किशोर की ओर मूव कर सकते हैं। हालांकि भाजपा के लिए यह भी फायदेमंद सौदा ही है। भाजपा ये चाहती है कि एंटी इंकंबेंसी वाले वोट किसी भी सूरत में पूरे के पूरे आरजेडी की ओर न जाए। दिल्ली में यही रणनीति आम आदमी पार्टी ने अपनाई थी। इसलिए कांग्रेस के साथ आप ने समझौता नहीं किया। वहां भी यही तर्क था आम आदमी पार्टी से नाराज वोटर्स भाजपा की ओर पूरी तरह न जाएं इसके लिए कांग्रेस के रूप जनता के सामने एक और विकल्प होने से पार्टी को फायदा होगा। ठीक उसी तरह भाजपा बिहार में भी सोच रही है। शायद यही कारण है कि प्रशांत किशोर को लेकर भाजपा परेशान नहीं है। पिछली बार की तरह, वे बिहार चुनावों में पुराने दल ही एक-दूसरे के राजनीतिक दुश्मन हैं। एक तरफ, भाजपा, जेडी (यू), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति और जीतन राम मांझी की एचयूएम और दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और महागठबंधन के छोटे दल होंगे। जाति वोट बैंक और सीट बंटवारा दोनों पक्षों के प्रमुख मुद्दे हैं। यह राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे का एक बड़ा परीक्षण है। इन दोनों चुनावों में, बिहार के मतदाताओं ने भाजपा-जनता दल (यू) को एक बड़ा झुकाव दिया। लोकसभा चुनावों में, एनडीए के सांसद 40 में से 30 से अधिक सीटों पर चुने गए। बाद के उपचुनावों में महागठबंधन में मतभेद और दरार भी देखी गई। लालू यादव ने राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव को पूर्णिमा निर्वाचन क्षेत्र की सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार लगातार विवादों में फंसे हुए हैं। यह सर्वविदित है कि वे भाजपा विरोधी हैं। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र शाखा,एआईएएसएफ से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हुए, और बेगुलसराय से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी उम्मीदवार के रूप में 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। वह 2024 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें बिहार से मैदान में उतारने का फैसला किया था, लेकिन लालू यादव ने कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी का विरोध किया, इसलिए कांग्रेस ने उन्हें उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। वहां भी उसे हार का सामना करना पड़ा। कन्हैया कुमार ने हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया, लेकिन 70 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत सके। अब कांग्रेस पार्टी ने इस नाकाम कन्हैया कुमार को बिहार विधानसभा में सक्रिय करने का फैसला किया है। कन्हैया कुमार वर्तमान में बिहार में एनएसयूआई के चल रहे 'पालन रोको, नौकरी दो' अभियान में सक्रिय हैं।

कांग्रेस ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी दलित विधायक राजेश कुमार को सौंपी है। महागठबंधन में कोई अन्य नेता नहीं होना चाहिए जो अपने बेटे तेजस्वी यादव को चुनौती दे सके, जो मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। लालू यादव इस तरह की सावधानी बरतते दिख रहे हैं। बिहार में सवर्ण या सवर्ण मतदाताओं की संख्या नगण्य है। यही कारण है कि दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों यानी मुस्लिम वोट बैंक में सभी राजनीतिक दलों का बोलबाला है। मुस्लिम मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ माना जाता है, फिर भी इस बात को नजर-अंदाज नहीं किया जा सकता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को कुछ मुस्लिम वोट मिले हैं। नीतीश कुमार पिछड़ी जाति से आते हैं।

वे दो दशकों से अधिक समय से मुख्यमंत्री हैं लेकिन उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया गया है। भारी विरोध के बावजूद, उन्होंने राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। महिला वोट बैंक मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ा है।

संपादकीय

अनावश्यक विवाद

अमृता आर. पंडित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैया जी जोशी का औरंगजेब की कब्र से संबंधित बयान महत्तवपूर्ण है और इसके विशिष्ट मायने भी हैं। उन्होंने कहा है कि इस विषय को अनावश्यक रूप से उठाया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी विवाद को उठाने की जबरिया कोशिश को निरर्थक बताते हुए कहा है कि औरंगजेब की कब्र एक संरक्षित स्मारक है इसलिए इसे तोड़ने या हटाने का कोई अचित नहीं है लेकिन औरंगजेब जैसे संप्रदायवादी कट्टर शासक का महिमामंडन सहन नहीं किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी कह चुके हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर तलाशना उचित नहीं है। अगर संघ प्रमुख और संघ के वरिष्ठ नेता की ओर से इस तरह के बयान आते हैं तो वे अकारण नहीं है।

संघ एक संजीदा, लक्ष्य बद्ध और दूरगामी संकल्पों वाला हिन्दू संगठन है जिसकी कार्यप्रणाली और वैचारिक अभिव्यक्ति में उच्छृंखलता, अभद्रता या मयार्दाविहीनता लक्षित नहीं होते। उसकी निष्ठा हिन्दुओं को विशेष लकय के प्रति सचेत बनाकर संगठनबद्ध करके भारतीय राष्ट्र के उस सांस्कृतिक ढांचे में डालना है जिसे वह राजनीतिक तौर पर भारतीय संस्कृति के नाम से अभिहित करता है। उसका एक बड़ा लकय भारतीय हिन्दुओं को क्षुद्र मतभेद भुलाकर विराट हिन्दू जाति के रूप में संगठित करना है जिससे उसे वांछित राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो, लेकिन जब हिन्दुओं को संघ से इतर संगठन जिन्हें प्रायः संघ का अनुषांगिक संगठन कहा जाता है, अप्रत्याशित घटनाओं को अंजाम देते हैं, अनावश्यक विभाग खड़ा करते हैं। यानी नफरती बयान देते हैं तो ये तत्काल ही संघ की बदनामी का कारण बन जाते हैं और संघ की आलोचनाओं के घेरे में आ जाता है जिससे उसके भविष्यगामी उद्देश्य में बाधा पहुंचती है। इसलिए संघ चाहता है कि हिन्दू संगठन या हिन्दू समूह ऐसे विवादों को जन्म न दें जिससे सामाजिक या सांप्रदायिक वैमनस्य बढ़ता हो, कानूनी संकट खड़ा होता हो और इन्हें लेकर संघ या भाजपा को सफाई देनी पड़ती हो। संघ इसीलिए समय-समय पर फुटकर हिन्दू समूहों की आलोचना करता है। वैसे भी यह संघ की जिम्मेदारी बनती है कि वह इस तरह के समूहों को नियंत्रण में रखे और उन्हें कानून-व्यवस्था विरोधी तत्वों के रूप में उभरने न दे।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है किन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

भारतीय सेना के अमर नायक

फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ भारतीय सैन्य इतिहास के उन महानायकों में से एक थे, जिनकी रणनीतिक कुशलता, निर्भीक नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति ने भारत को गौरवशाली विजय दिलाई। उनका जीवन अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और निडरता का प्रतीक था। 1971 के भारत-पाक युद्ध में उनके कुशल नेतृत्व ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया और बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र का उदय हुआ। उनकी यह ऐतिहासिक विजय केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि एक दूरदर्शी सैन्य कमांडर की सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण भी थी। सैम मानेकशॉ का जन्म 3 अप्रैल 1914 को हुआ था और उनका सैन्य जीवन कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा। द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर भारत-पाक युद्ध तक, उन्होंने हर प-रस्थिति में अपने साहस और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। 1971 के युद्ध में, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे तत्काल कार्रवाई की संभावना के बारे में पूछा, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सेना को उचित तैयारी का समय चाहिए। उनकी रणनीतिक समझ और धैर्य का ही परिणाम था कि भारतीय सेना ने 13 दिनों में पाकिस्तान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। यह इतिहास में सबसे तेज और निर्णायक युद्धों में से एक था।

मानेकशॉ न केवल एक कुशल सैन्य रणनीतिकार थे, बल्कि अपने सैनिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी थे। उन्होंने हमेशा सैनिकों का मनोबल ऊंचा रखा और उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे एक उच्च उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं। उनकी स्पष्टवादिता और बेबाक राय के कई किस्से मशहूर हैं, खासकर जब उन्होंने निडर होकर अपने विचार प्रधानमंत्री तक भी पहुंचाए। उनकी यह विशेषता भारतीय सेना को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करती रही।उनकी अमूल्य सेवाओं के सम्मान में उन्हें 1973 में भारत का पहला 'फील्ड मार्शल' बनाया गया, जो भारतीय सेना में सर्वोच्च सैन्य पदवी है। सैम मानेकशॉ का जीवन और उनकी नेतृत्व क्षमता भारतीय सेना के मूल्यों–साहस, निष्ठा और बलिदान–का प्रतीक है। 27 जून 2008 को जब उन्होंने अंतिम सांस ली, तब पूरा देश एक सच्चे राष्ट्रनायक को खोने के शोक में डूब गया। आज, जब हम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की 111 वीं जयंती मना रहे हैं, तो पूरे देश का हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर जाता है। उनका जीवन न केवल भारतीय सेना के लिए, बल्कि हर नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने हमें सिखाया कि नेतृत्व केवल आदेश देने में नहीं, बल्कि अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत करने में है। उनकी रणनीतिक सूझबूझ, राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण और निडर व्यक्तित्व ने भारत को गौरवशाली क्षण प्रदान किए। हम उनके अतुलनीय योगदान को नमन करते हैं और संकल्प लेते हैं कि उनकी विरासत को आगे बढ़ाते हुए देश की सेवा और सुरक्षा के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाएंगे । भारतीय सेना और सामस्त राष्ट्र की ओर से हम इस महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

लेखक :-राजेश श्रीवास्तव

राजेश श्रीवास्तव

"नांगेली" का बलिदान

भारत के इतिहास में कई वीरांगनाओं ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाई, लेकिन कुछ कहानियाँ इतिहास के पन्नों में दब गईं। ऐसी ही एक कहानी केरल की नांगेली की है, जिन्होंने जातिगत भेदभाव और स्त्रियों के प्रति किए जाने वाले अपमानजनक व्यवहार के विरुद्ध अद्वितीय साहस का परिचय दिया। उनका संघर्ष उस समय की सामाजिक व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन गया। 18वीं और 19वीं सदी के दौरान त्रावणकोर (वर्तमान केरल) में निचली जातियों के लोगों पर कई प्रकार के कर लगाए जाते थे। इनमें से सबसे अमानवीय कर था 'मूलाक्करम' यानी 'ब्रेस्ट टैक्स'। इस कर के तहत निचली जाति की महिलाओं को अपने स्तन ढकने के लिए कर चुकाना पड़ता था। कर की राशि महिलाओं के स्तनों के आकार के अनुसार निर्धारित की जाती थी, जिसे राज के अधिकारी जांचकर तय करते थे। यह प्रक्रिया बेहद अपमानजनक और अमानवीय थी। यह अन्याय केवल महिलाओं तक सीमित नहीं था। निचली जातियों के पुरुषों को भी अपने सिर ढकने और कमर के ऊपर वस्त्र पहनने के लिए कर चुकाना पड़ता था। यह व्यवस्था ऊँची जाति के लोगों को सामाजिक रूप से श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए बनाई गई थी, जिससे निचली जातियों को उनके ही समाज में निम्न स्थिति में रखा जा सके। चेरथला गाँव की नांगेली ने इस अन्याय के खिलाफ विद्रोह करने का निर्णय लिया। उन्होंने यह घोषणा कर दी कि वे न तो ब्रेस्ट टैक्स चुकाएंगी और न ही इस अपमानजनक प्रथा को मानेंगी। उनका यह फैसला तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था के लिए एक चुनौती था। जब कर वसूलने वाले अधिकारी उनके घर पहुँचे, तो उन्होंने कर देने से मना कर दिया। अधिकारियों के दबाव के बावजूद, नांगेली अपने निर्णय पर अडिग रहीं। उन्होंने अपने स्तनों को काटकर केले के पत्ते पर रख दिया और अधिकारियों के सामने प्रस्तुत कर दिया। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी वहीं मृत्यु हो गई। उनका बलिदान इतना प्रभावशाली था कि पूरे गाँव में विद्रोह की ज्वाला भड़क उठी। नांगेली की मृत्यु के बाद उनके पति चिरकंडुन ने भी उनकी चिता में कूदकर प्राण त्याग दिए। यह भारत के इतिहास में शायद एकमात्र उदाहरण है जब किसी पुरुष ने 'सती' होने का निर्णय लिया। उनके इस बलिदान ने पूरे त्रावणकोर में हलचल मचा दी। नांगेली की मृत्यु के बाद इस कर के खिलाफ विद्रोह और तेज हो गया। निचली जाति की महिलाओं ने बिना कर चुकाए अपने स्तन ढकने शुरू कर दिए, जिससे सामाजिक व्यवस्था में उथल-पुथल मच गई। बढ़ते विरोध और जनता के आक्रोश को देखते हुए त्रावणकोर के राजा को मजबूरन 'मूलाक्करम' कर को समाप्त करना पड़ा। नांगेली की याद में उनके गाँव का नाम 'मुलच्छीपुरम' (स्तन का स्थान) रखा गया। हालाँकि, समय के साथ इस स्थान का नाम बदलकर 'मनोरमा जंक्शन' कर दिया गया और नांगेली का परिवार भी वहाँ से पलायन कर गया। नांगेली की कहानी मुख्य रूप से मौखिक परंपराओं और लोककथाओं में दर्ज है। हालांकि, इस घटना का कोई विस्तृत ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है, जिससे इसकी पूर्ण सत्यता की पुष्टि करना कठिन हो जाता है। फिर भी, यह कथा केरल की सामाजिक व्यवस्था में बदलाव लाने वाले सबसे प्रभावशाली घटनाओं में से एक मानी जाती है। नांगेली का बलिदान न केवल स्त्री अधिकारों की रक्षा का प्रतीक बना, बल्कि जातिगत भेदभाव के खिलाफ संघर्ष का भी एक ऐतिहासिक उदाहरण है। उनका साहस यह दिखाता है कि किसी भी सामाजिक बदलाव की शुरूआत एक व्यक्ति के दृढ़ संकल्प से हो सकती है। उनका नाम इतिहास के पन्नों में भले ही आधिकारिक रूप से दर्ज न हो, लेकिन उनके बलिदान की गूँज आज भी महसूस की जा सकती है।

झपटमारी के आरोप में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिले के सरोजनी नगर थाना पुलिस ने जीतू उर्फ जितेन्द्र नामक एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उससे चाकू और चोरी की दो बाइक व स्कूटी बरामद की हैं। जांच में पता चला है कि वह झपटमारी, चोरी और आर्म्स एक्ट के सात मामलों में शामिल रहा है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बुधवार को बताया कि जीतू उर्फ जितेन्द्र बवाना का रहने वाला है। 28 मार्च को गश्त के दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसने कुछ दिन पहले स्कूटी अपने साथी संजीव उर्फ संजू के साथ सरोजनी नगर डिपो से चुराई थी। दोनों आरोपित बाइक या स्कूटी चुराते थे और उसके बाद दिल्ली के विभिन्न इलाकों में झपटमारी की वारदात को अंजाम देते थे।

शराब तस्करी के मामले में दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो महिलाओं समेत चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान साहिल, मोनू सिंह उर्फ मन्नू, प्रीति तथा ढोला के रूप में हुई है। आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने 30 पेटी शराब बरामद की है। शराब तस्करी में प्रयुक्त एक स्कूटी भी पुलिस ने जब्त की है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बुधवार को बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर डाबड़ी एक्सटेंशन के समीप नाला रोड पर ऑटो से बोरियां लेकर उतरी प्रीति राणा को गिरफ्तार किया। उसके पास मौजूद बोरियों की तलाशी ली गई तो उनमें से 14 पेटी शराब बरामद हुई। वहीं, स्पेशल स्टाफ की टीम को इंद्रा पार्क, सागरपुर में अवैध शराब की बिक्री होने की सूचना मिली। टीम ने गली नंबर 10 इंद्रा पार्क में छापेमारी कर स्कूटी पर शराब ला रहे मोनू सिंह उर्फ मन्नू को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 2 पेटी शराब बरामद हुई। उसकी निशानदेही पर 6 पेटी शराब बरामद की गई। इसी क्रम में सागरपुर थाना पुलिस ने ईस्ट सागरपुर से साहिल नामक शराब तस्कर को पकड़ा। उसके कब्जे से पांच पेटी शराब जब्त की गई। वहीं दिल्ली कैंट इलाके से किरबी प्लेस झुग्गी बस्ती से ढोला नामक महिला को 3 पेटी अवैध शराब के साथ पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया।

एमटीएनएल के तार के साथ दो चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाना पुलिस ने मंगलवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 355 किलोग्राम एमटीएनएल की चोरी की केबल बरामद की है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आरोपितों की पहचान गाजियाबाद के गांव बेरापुर निवासी असलम और बिहार के अररिया स्थित मझुवा निवासी मोइनुद्दीन के रूप में हुई है। पुलिस ने एक अप्रैल की रात अरविंदो मार्ग पर गश्त के दौरान दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। इन्होंने बोरे में चोरी का केबल रखा हुआ था। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर आईआईटी के पास से एमटीएनएल केबल चोरी किया था। वे केबल काटकर उसमें से तांबा निकालकर बेच देते थे। पुलिस को इनके साथी असलम, अयूब और वारिस के ठिकानों के बारे में भी पता चला है। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

मोटर वर्कशॉप में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका सेक्टर 23 इलाके में एक मोटर वर्कशॉप में बीती देर रात अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।दमकल विभाग के अनुसार बीती देर रात 3:12 बजे सूचना मिली कि धुलसीरस गांव के पास एक कार में आग लग गई है, आग में कोई नहीं फंसा है। सूचना मिलतेही दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला आग मोटर वर्कशॉप मेंलगी है। बढ़ती आग को देखते हुए तीन और गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिकपूछताछ में रितिक नामक व्यक्ति ने बताया कि वर्कशॉप का वह मालिक है। रितिक के अनुसार बीती देर रात आग लगी थी। घटना में 10-12 कारें जल गईं।

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 साला शहीदी दिवस पर होंगे ऑनलाइन, ऑफलाइन कार्यक्रम: कालका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की पहल पर पंथक जत्थेबंदियों और संस्थाओं की गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 साला शहीदी दिवस को मनाने के लिए साझा बैठक आयोजित की गई और कहा कि जल्द अगली बैठक में कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। हां, मानवाधिकार के सबसे बड़े पैरोकार गुरू तेगबहादुर साहिब की शहादत को दुनिया भर में मनाया जाएगा। बैठक की जानकारी देते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलो, धर्म प्रचार मुखी जसप्रीत सिंह कर्मसर ने बताया, आज बैठक में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व जनरल सेक्रेटरी स. गुरचरण सिंह ग्रेवाल, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, तख्त श्री हजूर साहिब प्रबंधक कमेटी, तख्त श्री हरिमंदिर साहिब पटना साहिब प्रबंधक कमेटी, लखनऊ प्रतिनिधि बोर्ड, गुरु का ताल आगरा, दुबड़ी साहिब असम, अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार प्रो. मनजीत सिंह, पंजाबी भाषा प्रसार कमेटी चेयरमैन हरदित सिंह गोविंदपुरी सहित कई पंथक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। नवंबर महीने में आने वाले शहीदी दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सुझाव आया कि इस दिन को समर्पित 9 बड़े ऐतिहासिक नगर कीर्तन भी सजाए जाएं। केंद्र और राज्य सरकारों की मदद ली जाए। युवा पीढ़ी नए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करती है, इसलिए सिख इतिहास से संबंधित पोस्ट इन प्लेटफार्मों पर डाली जाएं।

महिला सशक्तीकरण के लिए सेवाभारती करेगी 'रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड' का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक संस्था सेवाभारती, दिल्ली द्वारा 13 अप्रैल को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक मैराथन रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किशोरी विकास और महिला सशक्तीकरण है। इसमें सेवा बस्तियों की लड़कियों के साथ बॉलीवुड, व्यवसाय, खेल, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और सशस्त्र बलों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में सेवाभारती के प्रांत अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ ही विश्वगुरु बनाना भी बहुत आवश्यक है। इस प्रयास में समाज का हर वर्ग जुड़े, इसके लिए सेवाभारती प्रयासरत है। रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग और संभ्रांत वर्ग को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में समाज का हर वर्ग महिला सशक्तीकरण और किशोरी विकास के उद्देश्य के लिए सम्मिलित होगा।

सेवा भारती की सचिव और कार्यक्रम की संयोजक निधि आहूजा ने बताया कि यह आयोजन हम दिल्ली की सभी सेवा बस्तियों, प्रोफेशनल रनर्स और युवाओं को ध्यान में रखकर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली के विभिन्न सेवाभावी व्यवसायियों को भी इसमें सम्मिलित होने का निमंत्रण भेजा गया है। सेवाभारती दिल्ली समूचे राज्य की सेवा बस्तियों में 132 किशोरी विकास केंद्र भी शुरू कर चुका है। सेवा भारती का उद्देश्य इन केंद्रों के माध्यम से एक लाख किशोरियों और बेटियों तक सेवाएं पहुंचाने का है। इस कार्यक्रम के लिए क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, शिखर धवन, पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, पी.टी.ऊषा ने अभी तक इस कार्यक्रम को अपना समर्थन दिया है।

सेवा भारती के महासचिव सुशील गुप्ता ने बताया कि सेवा भारती महिला सशक्तीकरण, किशोरी विकास के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलंबन के क्षेत्र में दिल्ली में विभिन्न विषयों को समाज के सुधीजनों और सेवाभावी व्यक्तियों के सहयोग से संचालित कर रही है। उन्होंने बताया कि बालिकाओं के समग्र विकास के लक्ष्य से ये मैराथन आयोजित हो रही है।

रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सुबह छह बजे से शुरू होगा। इस दौड़ में 10 किलोमीटर (टाइम्ड रन), पांच किलोमीटर (फन रन) और तीन किलोमीटर (फन रन) जैसी श्रेणियां शामिल है। इस आयोजन में हर उम्र के पांच हजार से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद जताई है। वर्ष 1979 से संचालित सेवाभारती, स्वास्थ्य, संस्कार, शिक्षा और स्वावलंबन के क्षेत्र में दिल्ली की 1123 सेवा बस्तियों में अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के माध्यम से कार्य कर रही है।

विधानसभा के इतिहास का सबसे झूठा बजट: आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने भाजपा सरकार के बजट को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 1 लाख करोड़ के बजट का महज जुमला दिया है, लेकिन उनके ही अधिकारियों ने इस झूठ को बेनकाब कर दिया। आतिशी ने बताया कि 31 मार्च को दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से जारी आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में कुल बजट का केवल 5 प्रतिशत खर्च करने की अनुमति दी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि अप्रैल महीने में सरकार केवल 5,000 करोड़ ही खर्च कर सकती है। इसी आधार पर पूरे साल में सरकार 60,000 करोड़ ही खर्च कर सकेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार के पास खर्च करने के लिए पैसा ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का यह बजट विधानसभा के इतिहास का सबसे झूठा बजट है। दिल्ली सरकार ने बजट पेश करते समय 1 लाख करोड़ का दावा किया, जबकि हकीकत में यह बजट मात्र 78,000 करोड़ का ही है। यहां तक कि भाजपा सरकार के वित्त विभाग ने खुद इस झूठे बजट को उजागर कर दिया है। आतिशी ने कहा कि जब सरकार के पास 60,000 करोड़ से अधिक का राजस्व ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट पेश करना पूरी तरह से जुमलेबाजी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को गुमराह कर रही है और झूठे आंकड़ों के सहारे अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। 31 मार्च को जारी वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में बजट का मात्र 5 प्रतिशत खर्च करने की इजाजत दी गई है। अगर इसे साल भर के हिसाब से देखें, तो कुल खर्च 60,000 करोड़ तक ही सीमित रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे यह साफ हो जाता है कि दिल्ली सरकार के पास 60,000 करोड़ से ज्यादा खर्च करने की क्षमता नहीं है। ऐसे में 1 लाख करोड़ के बजट की घोषणा पूरी तरह से हवा-हवाई साबित होती है।

जल संकट और फर्जी बिल को लेकर दिल्ली की जनता को जल्द मिलेगी खुशखबरी : प्रवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्ली का करीब एक दर्जन विधायकों की ओर पानी के गलत तरीके से आ रहे बिलों की शिकायत पर सदन में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग दस साल सत्ता में रहे है। इसमें समय लगेगा। चीजें ठीक करने में समय लगेगा उन्होंने कहा कि 100 गज और 25 गज के मकानों में लाखों के बिल आ रहे हैं। ऐसा तब की सरकारों ने लोगों को धमकाने के लिए किया था। मारवाह जी कह रहे थे कि हमारे मान-सम्मान की रक्षा कीजिए। उन्हें कहना चाहता हूं मान-सम्मान का ध्यान रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से बात हुई है बहुत ही जल्द खुशखबरी भी देंगे। जब-तक समस्या का निवारण नहीं हो जाता तो कनेक्शन कटेगा नहीं। मीटर रीडर बहुत बदमाशी करते हैं। अगर कोई बदमाशी करता है है तो सेटलमेंट में मत जाना। हम सारी बीमारी ठीक करेंगे। मीटर भी ठीक कराएंगे। उन्होंने कहा किमीटर में करप्शन की भी जांच कराएंगे। दिल्ली में पानी लोगो को नहीं मिल था। हमारी कोशिश साफ पानी देने की है फर्जी बिल न आए और अगर गलत बिल है तो जल्द ही उन्हें खुशखबरी देंगे। बुधवार को बढ़ते पानी के बिलों और अनियमित आपूर्ति को लेकर विधानसभा में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पानी के अधिक बिल आने की शिकायतें गंभीर हैं और सरकार जल्द ही इस पर राहत प्रदान करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जब तक समाधान नहीं निकलता, किसी भी उपभोक्ता का पानी कनेक्शन नहीं काटा जाएगा।

प्रवेश वर्मा ने मीटर रीडरों पर भी आरोप लगाया कि वे अनियमितताएं कर रहे हैं, जिससे लोगों को गलत बिल मिल रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर कोई मीटर रीडर गड़बड़ी करता है तो उसकी शिकायत करें। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने भी विरोध जताया। दिल्ली में गर्मियों के मौसम में पानी की मांग तेजी से बढ़ जाती है, लेकिन आपूर्ति में कमी से लोग परेशान हैं। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि पुरानी पाइपलाइनें, बढ़ती आबादी और पड़ोसी राज्यों से पर्याप्त पानी न मिलना इस संकट के मुख्य कारण हैं। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि भूजल स्तर में गिरावट और बारिश के पानी का संरक्षण न होने से भी हालात बिगड़ रहे हैं। विपक्ष सरकार पर लापरवाही का आरोप लगा रहा है, जबकि जनता जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान चाहती है। सरकार ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही कोई नई योजना लाई जाएगी, जिससे दिल्लीवासियों को राहत मिल सके।

दिल्ली विधानसभा से 7 आप विधायक निलंबित, विधायकों को भारी पड़ गई यह गुस्ताखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन बुधवार को सदन में भारी ड्रामा और हंगामा देखने को मिला। इस दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए सदन के गर्भगृह (वेल) में आ गए, जिसके बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने सात आप विधायकों- कुलदीप कुमार, संजीव झा, मुकेश अहलावत, सुरेंद्र कुमार, जरनैल सिंह, आले मोहम्मद और अनिल झा को निलंबित कर दिया।

आप विधायकों ने यह प्रदर्शन कानून और न्याय मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर किया। वे एक दिन पहले दिल्ली की एक अदालत द्वारा साल 2020 के दिल्ली दंगों में मिश्रा की कथित भूमिका को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिए जाने के बाद उनका इस्तीफा मांग रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर मंत्री कपिल मिश्रा को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, 'दंगों के सभी आरोपी जेल में हैं। कपिल मिश्रा सलाखों के पीछे क्यों नहीं हैं? हम उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा उन्हें बचा रही है।'

स्पीकर गुप्ता ने विधानसभा सचिव को यह सत्यापित करने का निर्देश भी दिया है कि क्या निलंबन आदेश के बावजूद निलंबित विधायक परिसर में रहे और अपना विरोध जारी रखा। बता दें कि आठवीं विधानसभा के पहले सत्र के दौरान 3 मार्च को स्पीकर गुप्ता ने फैसला सुनाया था कि कोई भी विधायक जिसे निलंबित किया जाता है या जिसे मार्शलों द्वारा बाहर निकाला जाता है, उसे पूरी तरह से विधानसभा परिसर से बाहर निकलना होगा। बुधवार को सदन में यह हंगामा एक दिन

पहले अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया द्वारा दिए गए उस फैसले के बाद हुआ, जिसमें मिश्रा के खिलाफ जांच के लिए 'प्रथम दृष्ट्या' मामला पाया गया था। इसके साथ ही अदालत ने दिल्ली पुलिस को 16 अप्रैल तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

यह कानूनी कार्यवाही यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास की शिकायत के बाद शुरू हुई, जिन्होंने 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की सांप्रदायिक हिंसा में मिश्रा की मिलीभगत का आरोप लगाया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मिश्रा की दंगों में कोई भूमिका नहीं थी और उन पर दोष मढ़ने की कोशिश की जा रही है।

विश्व ऑटिज्म दिवस पर सफदरजंग अस्पताल में जागरूकता वॉक का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर बुधवार को सफदरजंग अस्पताल के भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग ने सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) से पीड़ित व्यक्तियों की समझ, स्वीकृति और समावेश को बढ़ावा देने के लिए ऑटिज्म जागरूकता वॉक का आयोजन किया।

सफदरजंग अस्पताल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, देखभाल करने वाले, छात्रों और ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के परिवारों ने भाग लिया। यह वॉक सफदरजंग अस्पताल से शुरू हुई और अस्पताल परिसर के प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए जिसमें ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए शीघ्र निदान, चिकित्सा और सामुदायिक सहायता के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया गया।

इस अवसर पर सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने न्यूरोडाइवर्जेंट व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऑटिज्म

कोई दिव्यांगता नहीं है। अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक के रूप में सफदरजंग जागरूकता फैलाने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को वह देखभाल मिले, जिसके वे हकदार हैं। वीएमएमसी की प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना ने कहा, मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और उनका समर्थन करने के लिए ज्ञान और संवेदनशीलता से लैस होना चाहिए। सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं।

सफदरजंग अस्पताल के पॉलीमायल्जिया रूमेटिका के विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. अजय गुप्ता ने बहु-विषयक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऑटिज्म के लिए चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सहायता प्रणालियों को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। निरंतर जागरूकता और नीति वकालत के माध्यम से हमारा लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है, जहां ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति पनप सकें और पूर्ण जीवन जी सकें।

यह कार्यक्रम देखभाल करने वालों और आम जनता को ऑटिज्म के लक्षणों, प्रारंभिक निदान के महत्व और स्पेक्ट्रम पर व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में चिकित्सा और सहायता प्रणालियों की भूमिका के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

नकली सैन्य अधिकारी बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी जिले के गुलाबी बाग थाना पुलिस ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल बनकर ठगी करने वाले को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान उत्तम नगर के प्रताप गार्डन निवासी सुमित सिंह के रूप में हुई है। उसे 2023 में भारतीय सेना से निलंबित किया गया था। इसके बाद उसने भारतीय सेना के फर्जी दस्तावेज बनाए, लेफ्टिनेंट कर्नल की वर्दी पहनी और पीड़ितों से ठगी करने के लिए बैज का इस्तेमाल किया। वह भारतीय सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देकर अब तक कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर चुका है। उसके कब्जे से भारतीय सेना (रक्षा मंत्रालय) के तीन नकली नियुक्ति पत्र बरामद किए गए। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने मंगलवार को बताया कि महिला अधिवक्ता पी. कोहली ने गुलाबी बाग थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि बीते वर्ष 24 अगस्त को तीस हजारी कोर्ट से बाहर निकलते समय एक व्यक्ति उससे मिला, जिसने अपना परिचय सुमित सिंह के रूप में दिया और भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल होने का दावा किया। उसने अपना आईडी भी कार्ड दिखाया और भारतीय सेना के सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) में सीधी भर्ती अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उनका नंबर ले लिया। शिकायत के मुताबिक अगले दिन सुमित ने उनसे संपर्क किया और एएफटी में उसके लिए सरकारी एडवोकेट की नौकरी दिलाने का वादा किया और वाहट्सएप पर दस्तावेज लेकर उन्हें एएफटी दिल्ली के लिए जाइनिंग लेटर भेजा और एक सितंबर को जाइन करने को कहा। नौकरी लगवाने की बातचीत के दौरान उसने शादी के लिए प्रपोज भी किया। एक अगस्त को सुमित ने मेस खर्च के लिए उनसे करीब 64 हजार रुपये ट्रांसफर करने को कहा, जो उन्होंने उसके अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपित ने उनके भाई मिलन कोहली को प्रिंसिपल कंट्रोलर आफ डिफेंस अकाउंट (पीसीडीए) में हेड क्लर्क के रूप में नौकरी दिलाने का वादा कर दस्तावेज मांगे, जो उन्होंने 15 अगस्त को भेज दिए और फिर भाई के किट और मेस खर्च के लिए 50 हजार रुपये और 54 हजार रुपये ट्रांसफर करने को कहा।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर कटाक्ष- लोगों के जीवन के साथ जुआ न खेलें

नई दिल्ली। सांसद स्वाति मालीवाल ने आज आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तगड़ा कटाक्ष किया। खास बात यह है कि मालीवाल आआपा की राज्यसभा सदस्य हैं। उन्होंने एक्स पर केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि लोगों के जीवन के साथ जुआ न खेलें। सस्ते और निजी स्वार्थ के लिए पंजाब का उपयोग न करें। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा, 'सिद्धू मूसेवाला और उन लोगों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है, जिन्हें इसकी जरूरत है, लेकिन केजरीवाल उनके सहयोगी विभव कुमार और दिल्ली से आने वाले अन्य लोगों के लिए सैकड़ों बंदूकधारी हैं।' स्वाति मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल को सरकारी हेलिकॉप्टर की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। उन्हें लाने-ले जाने के लिए चार्टर विमान है।

मंत्री कपिल मिश्रा का मांग रहे थे इस्तीफा, आप विधायकों को दिल्ली विधानसभा से किया गया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवगठित आठवीं विधानसभा के पहले बजट सत्र के अंतिम दिन दिल्ली के कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर आप विधायकों ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एक दिन पहले एक अदालत द्वारा 2020 के दिल्ली दंगों में कथित भूमिका को लेकर मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जाने के बाद शुरू हुआ।

आप विधायकों को किया गया निलंबित

हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए आप विधायक सदन के वेल में आ गए, जिसके बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कम से कम सात विधायकों-कुलदीप कुमार, संजीव झा, मुकेश अहलावत, सुरेंद्र कुमार, जरनैल सिंह, आले मोहम्मद और अनिल झा को निलंबित कर दिया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही विपक्ष की नेता आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मिश्रा को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷दंगों के सभी आरोपी जेल में हैं। कपिल मिश्रा सलाखों के पीछे क्यों नहीं हैं? हम उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा उन्हें बचा रही है।÷

स्पीकर गुप्ता का बयान

स्पीकर गुप्ता ने विधानसभा सचिव को यह सत्यापित करने का निर्देश दिया कि क्या निलंबित विधायक परिसर के भीतर रहे और निलंबन आदेश के बावजूद अपना विरोध जारी रखा। 3 मार्च को आठवीं विधानसभा के पहले सत्र के दौरान स्पीकर गुप्ता ने फैसला सुनाया कि कोई भी विधायक जिसे निलंबित किया जाता है या बाहर निकाला जाता है, उसे विधानसभा परिसर पूरी तरह से खाली करना होगा।

यह फैसला इस विवाद के जवाब में आया है कि क्या निलंबित विधायक विधानसभा परिसर के कुछ क्षेत्रों, जैसे लॉन और विपक्ष के नेता के कार्यालय में रह सकते हैं। यह विरोध मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया द्वारा दिए गए एक अदालती फैसले के बाद हुआ है, जिसमें मिश्रा के खिलाफ जांच के लिए ÷प्रथम दृष्ट्या÷ मामला पाया गया था।

अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश

अदालत ने दिल्ली पुलिस को 16 अप्रैल तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। कानूनी कार्यवाही यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास की शिकायत से शुरू हुई, जिन्होंने 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की

सांप्रदायिक हिंसा में मिश्रा की संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मिश्रा की दंगों में कोई भूमिका नहीं थी और उन पर दोष मढ़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएम धामी द्वारा जनहित में विभिन्न महानुभावों को सौंपे गए विभागीय दायित्व

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनहित में विभिन्न महानुभावों को विभागीय दायित्व सौंपे गए हैं। इन सौंपे गए विभागीय दायित्वों से प्रदेश में विभागीय जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आयेगी तथा उनके प्रभावी अनुश्रवण में भी मदद मिलेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा जिन महानुभावों को दायित्व सौंपे गये हैं उनमें हरक सिंह नेगी जनपद चमोली को उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, सुश्री ऐश्वर्या रावत रूद्रप्रयाग को उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग, गंगा बिष्ट जनपद अल्मोड़ा को उपाध्यक्ष राज्य महिला उद्यमिता परिषद एवं श्याम अग्रवाल जनपद देहरादून को उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड आवास सलाहकार परिषद का दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही शांति मेहरा जनपद नैनीताल को उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, भगवत प्रसाद मकवाना जनपद देहरादून को उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड सफाई कर्मचारी आयोग, हेमराज बिष्ट जनपद पिथौरागढ़ को उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय खेल परिषद, रामचंद्र गौड जनपद चमोली को अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, पूरन चंद नैलवाल जनपद अल्मोड़ा को उपाध्यक्ष प्रवासी उत्तराखण्ड परिषद और रामसुन्दर नौटियाल जनपद उत्तरकाशी उपाध्यक्ष भगीरथी नदी घाटी प्राधिकरण का दायित्व सौंपा गया है। सायरा बानो जनपद ऊधम सिंह नगर को उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग, रेनू अधिकारी जनपद नैनीताल को अध्यक्ष राज्य महिला उद्यमिता परिषद, रजनी रावत जनपद देहरादून उपाध्यक्ष समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति, ओम प्रकाश जमदग्नि जनपद हरिद्वार उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड पारिस्थितिकीय पर्यटन सलाहकार परिषद, भूपेश उपाध्याय जनपद बागेश्वर उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद एवं कुलदीप कुमार जनपद देहरादून को अध्यक्ष उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद का दायित्व सौंपा गया है। ऋषि कण्डवाल जनपद पौड़ी को उपाध्यक्ष सिंचाई सलाहकार समिति, वीरेन्द्र दत्त सेमवाल जनपद टिहरी उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद, अजय कोठियाल जनपद टिहरी अध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य पूर्व सैनिक कल्याण सलाहकार समिति, श्याम नारायण पाण्डे जनपद नैनीताल को उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति का दायित्व सौंपा गया है।

सीएम धामी ने सचिवालय में असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की बैठक ली

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तराखण्ड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उत्तराखण्ड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन किया गया है, उनको पूरा करने के लिए स्पष्ट योजना के तहत कार्य किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए उनको एक छत के नीचे लाया जाए, जिससे सभी पात्रों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को प्रदान की जा रही योजनाओं का उन्हें समुचित लाभ मिले और साथ ही राज्य के श्रमिकों को पहले प्राथमिकता में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि एक प्रकार की योजना को क्लब कर पात्र को अधिकतम लाभान्वित किया जाए, जिससे योजना प्रभावी रहे और नियमित मॉनिटरिंग भी हो सके। राज्य के संसाधनों का बेहतर उपयोग हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया जाए। श्रमिकों के बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने और उनको मिलने वाली सुविधाओं से लाभान्वित करने पर भी जोर दिया जाए। श्रमिकों के कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों द्वारा स्पष्ट और सरल भाषा में आम लोगों को जानकारी दी जाए। बैठकों में प्रस्तुत किए जाने वाले पीपीटी में तीन चीजों का स्पष्ट उल्लेख किया जाए कि अब तक क्या किया है? कोई कार्य नहीं हुआ, तो किस वजह से नहीं हुआ और आगे की क्या योजना है। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सदस्यों ने जो भी सुझाव दिये हैं, उन्हें भविष्य की योजनाओं में शामिल किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि उत्तराखण्ड राज्य से लगभग 30 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें 17 लाख महिला और 13 लाख पुरुष कामगार है। अभी तक 20 लाख श्रमिकों का सत्यापन हो चुका है। 20 लाख सत्यापित कामगारों में 2.5 लाख निर्माण श्रमिक, 17.50 लाख अन्य विभिन्न श्रेणियों के कामगार है। श्रम विभाग द्वारा ई श्रम पोर्टल के 15 पंजीकृत कामगारों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है। जिसमें रुपए 02 लाख दुर्घटना बीमा के रूप में दिया जाता है। पीएम श्रम योगी मानधन योजना में 39 हजार 567 पंजीकृत कामगार है जिसमें 20 हजार 509 महिला और 19 हजार 58 पुरुष कामगार है। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर.के सुधांशु, प्रमुख सचिव न्याय श्री प्रदीप पंत, सचिव श्री नीतेश झा, श्री सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, श्री बृजेश कुमार संत, श्री वी. षणमुगम, श्री सी. रविशंकर, आयुक्त श्रम सुश्री दीप्ति सिंह, बोर्ड के सदस्य और सबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर बनेगा एथेनॉल उत्पादन का हब, प्लांट का मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

पिपराइच चीनी मिल में भी एथेनॉल उत्पादन के लिए सरकार कर चुकी है बजटीय प्रावधान

गोरखपुर/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार बायो फ्यूल (जैव ईंधन) पर खासा जोर दे रही हैं। इस लिहाज से एथेनॉल को एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। एथेनॉल उत्पादन के लिए योगी सरकार की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप यूपी देश का नम्बर वन एथेनॉल उत्पादक राज्य बन चुका है। राज्य के एथेनॉल उत्पादन में अब गोरखपुर भी बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। जिले में एक बड़े एथेनॉल प्लांट का मुख्यमंत्री के हाथों उद्घाटन होने जा रहा है। दो और प्लांट आने वाले दिनों में योगदान देने के लिए तैयार हो जाएंगे। एक ही जिले में तीन स्थानों पर एथेनॉल उत्पादन होने से गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश एथेनॉल उत्पादन का हब बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री योगी की मंशा गोरखपुर को ग्रीन एनर्जी के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की है। इसी क्रम में योगी सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीति से गोरखपुर में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा एथेनॉल प्लांट गीडा के सेक्टर 26 में बनकर तैयार हो चुका है। 1200 करोड़ रुपये की यह निवेश परियोजना मेसर्स केयान डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड की है। इसके प्लांट का शिलान्यास 12 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था और अब 6 अप्रैल को उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों प्रस्तावित है। केयान डिस्टिलरी के प्रबंध निदेशक विनय सिंह बताते हैं कि उनकी डिस्टिलरी में अनाज (चावल और मक्का) आधारित एथेनॉल का उत्पादन शुरू हो गया है। प्रथम चरण में 3 लाख लीटर प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता का प्लांट क्रियाशील किया गया है। तीन चरणों में इसके विस्तार के बाद कुल उत्पादन क्षमता 10 लाख लीटर प्रतिदिन की हो जाएगी।

एथेनॉल की खपत के लिए इंडियन ऑयल के साथ केयान का पहले ही एमओयू हो चुका है।

इस प्लांट ने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से चार हजार लोगों के लिए रोजगार का मार्ग भी प्रशस्त किया है। योगी सरकार की पहल पर पिपराइच चीनी मिल में भी एथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा। एथेनॉल उत्पादन के लिए प्लांट लगाने को सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 90 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर दी है। इस डिस्टिलरी की उत्पादन क्षमता 60 हजार लीटर प्रति दिन होगी। जिले के धुरियापार में भी आने वाले दिनों में एथेनॉल का उत्पादन होगा। यहां सरकार की पहल पर इंडियन ऑयल की बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स की परियोजना मूर्त हो रही है। इस परियोजना के पहले चरण में 165 करोड़ रुपये की लागत से कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) का प्लांट लोकार्पित हो चुका है। बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में एथेनॉल का उत्पादन होगा।

उत्तराखंड में जल्द खुलेंगी 23 खेल एकेडमी, लागू होगी स्पोर्ट्स लिगेसी पॉलिसी

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। जल्द उत्तराखंड में जल्द ही 23 खेल अकादमी वजूद में आने वाली हैं. ये खेल अकादमी हर साल 920 एलीट एथलीट तैयार करेंगी. हर एकेडमी में 1000 वॉक इन एथलीट भी तैयारी किये जाएंगे. नेशनल गेम्स के दौरान सरकार ने जिस लिगेसी प्लान की घोषणा की थी उसकी रुपरेखा तैयार कर ली गयी है. बुधवार को खेल मंत्री रेखा आर्या के कैंप कार्यालय में खेल विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में इस पर चर्चा की. खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया नेशनल गेम्स की तैयारी के समय प्रदेश में खेल के बुनियादी ढांचे में कुल 517 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न स्टेडियम तैयार किए गए. इसके अलावा राष्ट्रीय खेल कराने के लिए कुल 31 खेल विधाओं में तकरीबन 94 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरण भी खरीदे गए. इस सब को मिलाकर फिलहाल प्रदेश के खेल विभाग के पास लगभग 1300 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियां जमा हो गई हैं. इन सभी परिसंपत्तियों की देखभाल और इनके संचालन के लिए यह लिगेसी प्लान तैयार किया गया है. इसके तहत प्रदेश के विभिन्न शहरों में कुल 23 खेल अकादमी बनाई जाएंगी. खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया इन अकादमियों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुख्य कोच और जूनियर कोच तैनात होंगे. साथ ही स्पोर्ट्स साइंस एक्सपर्ट, फिजियोथैरेपिस्ट, कंडीशनिंग कोच, डाइट स्पेशलिस्ट और साइकाइट्रिस्ट भी तैनात किए जाएंगे. यह सभी प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पधाओं के लिए तैयार होने में मदद करेंगे. खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया लिगेसी प्लान को जल्द से जल्द लागू करने का प्रयास किया जा रहा है. शुरू होगा फिट उत्तराखंड मूवमेंटः प्रधानमंत्री मोदी के फिट इंडिया अभियान से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड में भी इसी तरह का फिट उत्तराखंड मूवमेंट शुरू करने की तैयारी है. इसे भी खेल विभाग के लिगसी प्लेन का हिस्सा बनाया गया है. इसमें दूर-दूर के गांव और कस्बों के लोगों को खेलों के प्रति जागरुक किया जाएगा. उन्हें नियमित रूप से खेलों में हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा दिया जाएगा. इसके लिए प्रदेश भर के 18000 स्कूल कॉलेज के खेल मैदानों का इस्तेमाल किया जाने की योजना है. स्कूल टाइमिंग के बाद के घंटों में यहां खेलकूद की गतिविधियां आम जनता के लिए नियमित रूप से आयोजित की जाएगी.

उत्तराखंड में मौजूद खेल इंफ्रास्ट्रक्चर

बहुउद्देशीय हॉल -28
स्टेडियम और मिनी स्टेडियम – 52
खेल के आउटडोर और इनडोर मैदानों की कुल संख्या – 155
शूटिंग रेंज की कुल संख्या-1
एथलेटिक ट्रैक (सिंथेटिक) की कुल संख्या – 5
पर्वतारोहण केंद्रों की कुल संख्या – 1
लॉन-बाल मैदानों की कुल संख्या - 1
एस्ट्रो टर्फ (हॉकी) की कुल संख्या – 2
जिम की कुल संख्या - 55
वेलोड्रोम की कुल संख्या – 1
साहसिक प्रशिक्षण संस्थानों की कुल संख्या – 1

पूर्व आईपीएस दलीप सिंह कुंवर बने उत्तराखंड के नए सूचना आयुक्त

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तराखंड सरकार ने पूर्व आईपीएस अधिकारी दलीप सिंह कुँवर को राज्य का नया सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। गौरतलब है कि दलीप सिंह कुँवर उत्तराखंड पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वे उत्तराखंड इंटेलिजेंस के पूर्व डीआईजी और देहरादून के एसएसपी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा और प्रभावी नेतृत्व के लिए जाने गए। करीब एक वर्ष पूर्व वे सेवानिवृत्त हुए थे। 28 मार्च को उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया गया, जिसके बाद अब दलीप सिंह कुँवर राज्य के सूचना आयोग में अपनी सेवाएँ देंगे। उनकी इस नियुक्ति को शासन में पारदर्शिता और सुचारु सूचना प्रणाली को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा रहा है।

धामी सरकार की सख्ती, बिना लाइसेंस नहीं बिकेगा कुट्टू का आटा, सील पैक में ही होगी ब्रिकी

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। कुट्टू के आटे के बने पकवान खाने से दो दिन पहले देहरादून और हरिद्वार में 300 से ज्यादा लोग बीमार हो गए थे. इससे पहले भी कुट्टू के आटे के कारण लोगों के बीमार होने के कई मामले सामने आ चुके है. इसलिए सरकार ने अब कुछ सख्त कदम उठाए है. खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड ने साफ किया है कि अब जनरल स्टोर्स पर बिना लाइसेंस के कुट्टू का आटा नहीं बेचा जा सकेगा. साथ ही खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब से सील बंद यानी पैकेट वाले कुट्टू के आटे की ही बिक्री की जाएगी. खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त डॉक्टर आर राजेश कुमार ने

बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशों पर राज्य में कुट्टू के आटे की बिक्री को लेकर नई गाईडलाइन जारी कर दी गई है. विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब कोई भी कारोबारी खुले में कुट्टू का आटा नहीं बेच सकेगा. इसका विक्रय केवल सील बंद पैकेटों में ही किया जाएग. इसके अलावा पैकेट पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2006 के अनुसार लेबलिंग नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा. आयुक्त डॉक्टर आर राजेश कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार कुट्टू के आटे की पिसाई की तिथि, पैकेजिंग की तिथि और एक्सपायरी डेट पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखना जरूरी होगा. इसके अलावा हर पैकेट पर विक्रेता की खाद्य लाइसेंस संख्या भी दर्ज करना अनिवार्य होगा. ऐसे में बिना वैध खाद्य लाइसेंस के कुट्टू का आटा और बीज नहीं बेचा जा सकेगा. इसके साथ ही सभी खाद्य कारोबारियों को खरीद और बिक्री का रिकॉर्ड लिखित रूप में रखना होगा. बिना अनुमति के खुले में कुट्टू के आटे की बिक्री करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

किसानों को 30 जून तक मिलेगा घर बैठे फसल बेचने का मौका

किसान हेल्पलाइन 18002101222 पर ली जा सकती है पूरी जानकारी

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। किसान अब मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत दलहन और तिलहन की सरकारी खरीद की प्रक्रिया में घर बैठे शामिल हो सकते हैं। इस योजना में किसान 2 अप्रैल से 30 जून तक अपनी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सीधे सरकार को बेच सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य किसानों को उचित दाम दिलाकर उनकी आय बढ़ाना है। किसान इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी फसलों का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं।

नेफेड को आवंटित जिले

लखनऊ, अयोध्या, झांसी, महोबा, हमीरपुर, जालौन, फतेहपुर, कानपुर देहात, प्रयागराज, कौशाम्बी, ललितपुर, सोनभद्र, जौनपुर, गाजीपुर, औरैया, बलिया, सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, अमेठी, वाराणसी, उन्नाव, मैनपुरी, अम्बेडकर नगर, फिरोजाबाद, फरुर्खाबाद, गोण्डा, बाराबंकी, संत रविदास नगर, बलरामपुर, संत कबीर नगर, सीतापुर, गोरखपुर, कासगंज, लखीमपुर खीरी, देवरिया, शाहजहांपुर, बुलंदशहर, श्रावस्ती, रामपुर, अलीगढ़, हाथरस, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजियाबाद, सहारनपुर, बदायूं, शामली, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़ एवं बिजनौर।

एनसीसीएफ को आवंटित जिले

बांदा, चित्रकूट, कानपुर नगर, मिजार्पुर, आजमगढ़, चन्दौली, मऊ, आगरा, कन्नौज, बस्ती, हरदोई, एटा, बहराइच, मथुरा, महराजगंज, बरेली, मेरठ, पीलीभीत, सम्भल, बागपत, अमरोहा।

ये समर्थन मूल्य है निर्धारित

अरहर : 7,550 रुपए प्रति क्विंटल
चना : 5,650 रुपए प्रति क्विंटल
मसूर : 6,700 रुपए प्रति क्विंटल
सरसों : 5,950 रुपए प्रति क्विंटल

तीन दिन में किया जाएगा भुगतान

नैफेड के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि आधार से लिंक बैंक खाते में तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान किया जाएगा। साथ ही फसल उत्पादन वाले जिलों में पीसीएफ, पीसीयू, जैफेड एवं यूपीएसएस के माध्यम से क्रय केंद्र बनाए जा रहे हैं। विस्तृत जानकारी के लिए किसान 18002101222 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। केंद्र सरकार और यूपी सरकार मिलकर इस विशेष योजना को संचालित कर रहे हैं। नेफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल इस पूरी योजना की मॉनिटरिंग खुद कर रहे हैं।

आवेदन करने से पहले इन सावधानियों का ध्यान रखें किसान

आधार से लिंक बैंक खाता और मोबाइल नंबर पंजीकृत करें। आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल नंबर में नाम, पिता का नाम समान होना चाहिए। पंजीकरण के लिए सुविधा केंद्र या स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पंजीकरण के लिए पोर्टल:

नेफेड पोर्टल: https://esamridhi.in/#/

एन.सी.सी.एफ पोर्टल:
https://nccf.neml.in/#/

संक्षिप्त डायरी

नियमावली की धज्जियां उड़कर सेवानिवृत हुए सीएमओ, चहेते फर्म को देते रहे वाहनों का टेंडर!

सुलतानपुर/ भव्य खबर। जनपद में बहुचर्चित सेवानिवृत सीएमओ डॉ. ओपी चौधरी के भ्रष्टाचार का जिन्न उनके पद पर रहते हुए तो कम और विदा होने के बाद ज्यादा सामने आया है। जिनको हरिश्चन्द्र बताने का कार्य जिले के एक साहब भी कर रहे थे। सेवानिवृत सीएमओ डॉ. चौधरी ने अपने चहेते उमा ट्रेवलर्स एजेंसी को वाहनों का टेंडर दे रखा है। हैरत की बात ये है कि लगातार चार वर्षों से इस कंपनी के नाम टेंडर चलता चला आया। जबकि शासन का निर्देश है कि एक कंपनी को दो वर्ष से अधिक टेंडर नहीं दिया जा सकता। ऐसे में सवालिया ? प्रश्न ये है नियम को ताक पर रखकर सीएमओ ने टेंडर दिया तो क्या बिना किसी लाभ के..?..ऐसा किया ? उक्त फर्म जिस महिला के नाम पर है और जिसके नाम से जीएसटी है वो एक आंगनवाड़ी केंद्र पर तैनात है और सरकार से मानदेय ले रही है। स्वयं उसके पति के नाम से भी फर्म रजिस्टड है। यही नहीं उसका पति अमेठी के एक ब्लॉक पर संविदा पर बीपीएम के पद पर तैनात है। दोनों एक छत के नीचे रहते हैं ऐसा प्रधान द्वारा जारी आवास प्रमाण पत्र में उल्लेख है। ऐसे में अगर जांच हुई तो भ्रष्टाचार के मामले में महिला और इनके पति और तत्कालीन सेवानिवृत सीएमओ पर एफआईआर और जेल जाना तय है। ऐसे स्वास्थ्य अधिकारी सरकार में कार्य कर प्रशासन को ठेंगा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ा है..

भट्टा मजदूर को मारी गोली, आठ माह पूर्व भट्टा मालिक भाजपा नेता पर भी हुआ था हमला

सुलतानपुर/ भव्य खबर। कुड़वार क्षेत्र में अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामले में एक ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूर पर जानलेवा हमला हुआ है। मजदूर के बाएं पैर में गोली लगी है। उसका राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। घटना उतमानपुर स्थित एक ईंट भट्टे की है। भट्टा भाजपा नेता श्याम सुंदर सिंह उर्फ लहूरी सिंह का है। पीड़ित मजदूर हरि श्याम (26) अमेठी जिले के भटमऊ का रहने वाला है। मंगलवार रात को वह भट्टे पर झोकाई कर रहा था। इसी दौरान कुछ लोग वहां आए। उन्होंने मजदूर को नीचे आने को कहा। मजदूर ने काम में व्यस्त होने की बात कही। इस पर हमलावर ऊपर आ गए और गालियां देने लगे। फिर उन्होंने हरि श्याम के पैर में गोली मार दी। घायल मजदूर को पहले सीएचसी कुड़वार ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले अगस्त 2024 में भट्टा मालिक और भाजपा नेता लहुरी सिंह पर भी हमला हुआ था। बोलेरो सवार बदमाशों ने उनका पीछा किया और कुड़वार बाजार की गली में रोक लिया। बदमाशों ने उन्हें असलहे की बट से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। हमलावरों ने दो राउंड फायरिंग भी की थी।

राज्य में ईट राइट बी फिट की मुहिम के साथ संचालित होगा फिट उत्तराखण्ड अभियान : मुख्यमंत्री

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। फिट उत्तराखण्ड अभियान के लिए 15 दिन के अन्दर पूरा एक्शन प्लान बनाया जाय। खेल, स्वास्थ्य, आयुष, खाद्य, शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मिलकर एक्शन प्लान तैयार करें। राज्य और जिला स्तर पर इसके लिए प्रतिमाह वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाए। 'ईट राइट बी फिट' के तहत चीनी, नमक और तेल को थोड़ा कम करने का संदेश आम जन तक पहुंचाया जाए। फिट उत्तराखण्ड अभियान को स्कूल, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के अलावा ग्राम स्तर तक व्यापक स्तर पर किया जाए। स्कूल और महाविद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य कैंप लगाये जाएं। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट उत्तराखण्ड की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मस्तिष्क का होना जरूरी है, इसलिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। राज्य के रजतोत्सव कैलेंडर में फिट उत्तराखण्ड अभियान को भी शामिल किया जाए। खानपान की आदतों, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और शारीरिक गतिविधियों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए। ग्राम स्तर तक फिट उत्तराखण्ड अभियान को ले जाने के लिए युवा और महिला मंगल दलों को शामिल किया जाए एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए। खेल विभाग की लीगेसी प्लान की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बने खेल इन्फ्रास्टक्चर का खेलों के लिए नियमित उपयोग किया जाए। राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली आगामी खेल प्रतियोगिताओं के लिए राज्य से प्रतिभावान खिलाड़ी तैयार किये जाएं। स्थानीय युवाओं में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत स्पोर्ट्स ईको सिस्टम विकसित किया जाय। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण के लिए विश्वस्तरीय और उच्च गुणवत्ता के प्रशिक्षण सेंटर विकसित किये जा रहे हैं। राज्य में कुल 28 बहुदेशीय हाल, 52 छोटे और बड़े स्टेडियम, 155 प्लेग्राउंड और हॉल, 1 शूटिंग रेंज, 5 एथलेटिक ट्रैक, 1 माउंटेनियरिंग सेंटर, 1 लॉन बॉल ग्राउंड, 5 एस्ट्रो टर्फ्स, 1 वेलोड्रोम,1 एडवेंचर ट्रेनिंग संस्थान है जिन इन्फ्रास्ट्रक्चर की लीगेसी प्लानिंग की जा रही है। बैठक में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, रंजीत सिन्हा, डॉ. आर. राजेश कुमार, निदेशक खेल प्रशांत आर्य उपस्थित थे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति कार्यक्रम एचपीसी की बैठक की अध्यक्षता की

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) से सम्बन्धित 12वीं उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने राज्यभर में ट्यूबवेल पर बिजली व्यय की बचत के दृष्टिगत खाली स्थानों की मैपिंग करते हुए सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश पेयजल विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए हैं। सीएस ने ट्यूबवेल लगाने से पूर्व भूजल स्तर की रिपोर्ट अनिवार्यतः प्राप्त करने तथा पेयजल निगम तथा जल संस्थान के पास संकटमय पेयजल वाले क्षेत्रों की भूजल स्तर की रिपोर्ट उपलब्धता के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) के तहत गुड प्रैक्टिसेज की निरन्तरता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुड प्रैक्टिसेज के तहत 100 प्रतिशत जल गुणवत्ता, निरन्तर जलापूर्ति, बिजली की बचत हेतु पम्पिंग में ऊर्जा दक्षता का स्तर बनाए रखना, ग्राहकों की संतुष्टि, मजबूत व त्वरित शिकायत निवारण तंत्र में निरन्तर सुधार हेतु निर्देश दिए हैं। आज की एचपीसी में मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड पेयजल निगम तथा उत्तराखण्ड जल संस्थान की विभिन्न योजनाओं के अंतिम परिवर्तन पर अनुमोदन दिया । बैठक में जानकारी दी गई कि ड्1042 करोड़ लागत के विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) प्रोजेक्ट की समाप्ति 30 जून, 2025 को है। प्रोजेक्ट में ड्834 करोड़ विश्व बैंक का योगदान तथा ड्208 करोड़ उत्तराखण्ड सरकार का योगदान है। राज्य के पांच जिलों देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, नैनीताल तथा ऊधमसिंह नगर के 22 शहरों में कार्यक्रम की कवरेज है। प्रोजेक्ट के तहत निम्नतम 12 मीटर प्रेशर के साथ प्रतिदिन 16 घण्टे जलापूर्ति की सुनिश्चितता तथा 135 एलपीसीडी पर 4.35 लाख लक्षित आबादी को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। प्रोजेक्ट के तहत 100 प्रतिशत वॉल्यूमेट्रिक टैरिफ के साथ मीटरिंग की व्यवस्था है। पेयजल विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि उक्त प्रोजेक्ट के तहत 22 स्कीम पूरी हो चुकी हैं तथा 1,08,755 नए कनेक्शन दिए गए हैं। यह नए कनेक्शन कार्यक्रम के लक्ष्य से 24 प्रतिशत अधिक हैं। बैठक में सचिव पेयजल, वित्त सहित सम्बन्धित विभागों के अपर सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।

लालू ने कहा था-वक्फ बोर्ड पर कड़ा कानून बनाना चाहिए

मांझी ने शेयर किया वीडियो, रविशंकर बोले- ऐने सड़क मत बनाई वोट ना मिली, हम ये नहीं करते

पटना। वक्फ संशोधन बिल आज लोकसभा में पेश किया गया। इसमें जेपीसी द्वारा किए गए 20 संशोधनों पर चर्चा जारी है। संसद में पटना साहिब से बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने वक्फ बिल के समर्थन में तमाम दलीलें दीं। ऐने सड़क मत बनाई वोट ना मिली... हम ये नहीं करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा- 'वक्फ की 8 लाख संपत्ति हैं। दुनिया की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। मुतवल्ली उन्हें मैनेज करता है। उसकी जिम्मेदारी होती है की नहीं। पटना का सांसद हूं। एक सरकारी जमीन का तालाब है, जहां छठ पर अर्घ्य दिया जाता है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह सरकारी जमीन है। 1920 का एक कब्रिस्तान खड़ा है और कहते हैं कि वक्फ की जमीन है। आगे कहेंगे कि पूरा हिंदुस्तान वक्फ है। कहेंगे कि हमारे सम्राट हुए थे। यह देश ऐसे नहीं चलेगा। वक्फ का दावा करने वाले कौन थे। मैनेजर साहब की बिल्डर से साठगांठ हो गई और इमारत खड़ी हो जाती है। बदलाव जरूरी है। जब वक्फ की संपत्ति की लूट हो तो हमें शांत रहना चाहिए। हाईकोर्ट के पास सीधा अधिकार नहीं था। वक्फ में हाईकोर्ट जाना मना था। आज आप कोर्ट में भी जा सकते हैं। ट्रिब्यूनल ठीकठाक चलना चाहिए। सेटिंग ना हो। आज क्रिश्चियन समाज क्यों दुखी है, वो चाहते हैं कि वक्फ में बदलाव हो। चर्च अतिक्रमण से परेशान हैं। जिस तरह से यूपी में क्रिश्चियन परेशान हैं, अखिलेश जी आपको भी सोचना पड़ेगा। आप बिल का विरोध करते हैं तो जवाब दीजिए। क्या चाहते हैं कि वक्फ की प्रॉपर्टी लूटी जाए। इस बिल में बड़े-बड़े सांसद, एक्सपर्ट, महिलाओं और सिविल सोसाइटी शामिल हैं तो सवाल कैसे। मुतवल्ली पर कंट्रोल नहीं होना चाहिए। क्यों नहीं होना चाहिए।आपके वीटो के दिन लद गए। हारते जा रहे हैं, लेकिन भाषा वही है। शौचालय, सड़कें बनवाई तो क्या ये कहा कि ये मुस्लिम का है? वोट दो चाहे ना दो, हम काम करेंगे। कुछ तो सीखिए, देश हित में जो हे वो बदलेंगे।मांझी ने शेयर किया वक्फ बिल के समर्थन में

लालू का वीडियो इसके पहले केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने लालू का संसद में बोलते एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो 7 मई 2010 का है। इसमें लालू वक्फ की जमीनों को लेकर कड़ा कानून बनाने की बात कहते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतनराम मांझी की पार्टियों ने भी इस मुद्दे पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को अपना समर्थन दे दिया है। हालांकि, नीतीश की जदयू को चुनाव में मुसलमानों के मतों की नाराजगी का डर है। वहीं राजद बिल के विरोध में है। पार्टी का कहना है कि वो इस बिल का संसद में विरोध करेगी। बीजेपी सांसद संजय जायसवाल - यह एक अच्छा विधेयक है। यह विधेयक देश और मुसलमानों के हित में है। इससे गरीब मुसलमानों को मदद मिलेगी... अगर यह असंवैधानिक विधेयक है तो विपक्ष को इस कानून को खत्म करने की मांग करनी चाहिए। मुझे नहीं लगता कि हम जैसे लोग इस पर आपत्ति करेंगे। सांसद कपिल सिब्बल- बिहार में चुनाव हैं, अगर जेडीयू ने विधेयक के पक्ष में वोट दिया तो वे चुनाव हार जाएंगे। हो सकता है कि वे वॉकआउट कर दें ताकि बीजेपी को इसे पास करने का मौका मिल जाए। चिराग पासवान भी ऐसा ही कर सकते हैं। जेडीयू सांसद संजय झा - जेपीसी में हमारे पार्टी के सुपौल से सांसद दिलेश्वर कामत भी शामिल थे। हमने बिल को लेकर अपनी बात रखी है। यह (विधेयक) पूर्वव्यापी नहीं होना चाहिए। विधेयक आने दीजिए, यदि इसमें हमारी चिंताओं को शामिल किया जाता है, तो हम निश्चित रूप से विधेयक का समर्थन करेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह- यह विधेयक संवैधानिक है, मुसलमानों के हित में है, गरीबों के हित में है... जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं वे मुस्लिम विरोधी हैं।आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा- हर संवैधानिक आधार का उल्लंघन किया जा रहा है। हमने (विपक्ष ने) किसान आंदोलन के दौरान भी कहा था कि जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। नतीजा (तीनों कृषि कानून) वापस लेने पड़े। वही स्थिति यहां भी ना हो जाए चिराग पासवान- हमारी पार्टी वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन कर रही है। जो संशोधन किए गए हैं, वे सकारात्मक हैं और पारदर्शिता लाने की सोच के साथ किए गए हैं। हमने सुझाव भी दिए और हमारे ज्यादातर सुझाव स्वीकार भी किए गए हैं और हम इसका समर्थन कर रहे हैं प्रशांत किशोर- अगर वक्फ कानून संसद से पास हुआ तो इसके लिए नीतीश कुमार और जदयू दोषी होंगे। 2015 में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में मुसलमानों का बड़ा योगदान था। आज नीतीश कुमार उनके साथ वादा खिलाफी कर रहे हैं। चिराग ने सभी सांसदों से सदन में मौजूद रहने को कहा चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने व्हिप जारी कर अपने सभी सांसदों को अगले दो दिनों तक सदन में उपस्थित रहने को कहा है। वहीं, मांझी ने कहा कि जैसे धारा 370 को हटाने के समय सवाल उठे थे, लेकिन अब लोग इसे समझ चुके हैं। तीन तलाक को भी मुस्लिम विरोधी बताया गया था, लेकिन आज मुस्लिम महिलाएं सशक्त हुई हैं। ठीक वैसे ही वक्फ बिल लाया जा रहा है। इधर, JDU के मुस्लिम नेता पार्टी के स्टैंड के खिलाफ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी और JDU MLC गुलाम गौस वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया है। गुलाम गौस का मानना है कि वक्फ संशोधन बिल सही नहीं है। इसे किसान बिल की तरह ही वापस लेना चाहिए। गुलाम गौस ने सोमवार को ईद के दिन राबड़ी आवास पहुंचकर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद कहा था, 'लालू यादव से अच्छे संबंध रहे हैं।

आपसी विवाद के बाद दंपती ने खाया जहर;पत्नी की मौत

बांका। के पंजवारा थाना क्षेत्र के चचरा गांव में आपसी विवाद के बाद एक दंपती ने जहर खा लिया। जिसके बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई। वहीं अस्पताल ले जाने के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति की हालत गंभीर देखते हुए उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। मृतका की पहचान चचरा गांव निवासी संतोष मंडल(21) की पत्नी कृति कुमारी(19) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंचे मृतका के परिजनों ने बताया कि एक साल पहले ही दोनों की शादी

हुई थी। जहां मंगलवार की देर रात पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। जिसके बाद उसने जहर खा लिया वहीं पत्नी को जहर खाते देख संतोष ने भी उसे खा लिया। वहीं बताया कि उसकी बेटी को दहेज के लिए उसके दामाद और सास-ससुर प्रताड़ित करते थे। जिसे लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होती थी।

12वीं में कम नंबर आने पर छात्रा ने किया सुसाइड

जहानाबाद। में मंगलवार की रात डिप्रेशन में आकर छात्रा ने सुसाइड कर लिया। लड़की इंटरमीडिएट के रिजल्ट से नाराज थी। उसकी जुड़वा बहन को 500 में 390 अंक आए थे। वहीं उसे 300 नंबर आए थे। इस कारण उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना टेहटा थाना क्षेत्र के मदारी चक्र गांव की है। मृतक की पहचान सीता कुमारी(18) है। कम नंबर आने से परेशान थी छात्रा घटना को लेकर पिता अनुज कुमार ने बताया कि 25 मार्च को इंटरमीडिएट का रिजल्ट जारी हुआ था। रिजल्ट आने से पहले मेरी दोनों बेटी खुश थी। हमलोग साथ बैठकर रिजल्ट का

इंतजार कर रहे थे। जब रिजल्ट जारी हुआ तो सीता नाराज हो गई। उसने हमसे कहा कि मैंने बहुत मेहनत की थी। लेकिन फिर भी मुझे कम नंबर आए।दोनों बहन एक साथ बैठकर पढ़ाई करती थी। दोनों के बीच बहुत प्यार था। लेकिन रिजल्ट के बाद सीता अपनी बहन से नाराज और अलग-अलग रहने लगी। वो डिप्रेशन में चली गई। हमलोग मिलकर उसे समझाए कि इतना परेशान मत हो, सब ठीक हो जाएगा। लेकिन वो नहीं समझी। वो घर में किसी से बात नहीं करने लगी थी। मंगलवार की रात 10 बजे के करीब हमलोग साथ बैठकर खाना खाए, इसके बाद वो सोने का कहकर अपने रूम में चली गई। बुधवार सुबह जब हमलोग उठे तो उसका गेट बंद दिखा। करीब 7 बजे हमने उसके रूम के कुंदी को खटखटाया। लेकिन वो नहीं खोली। आधे घंटे तक जब दरवाजा नहीं खुला तो हमलोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। करीब 8 बजे तक पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि मेरी बेटी पंखे से लटककर सुसाइड कर ली है। इसके बाद शव को नीचे उतारा गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कांग्रेस का NSUI और की पलायन रोको यात्रा

किशनगंज। बुधवार को NSUI और कांग्रेस ने पलायन रोको नौकरी दो यात्रा निकाली। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास यात्रा में शामिल हुए। राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार के आने की बात थी, लेकिन वे अभी तक वहां नहीं पहुंचे। यात्रा का शुरूआत मारवाड़ी कॉलेज किशनगंज से किया गया है। जहां जिले के सभी हिस्सों से कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता और अधिकारी यात्रा में शामिल हुए है। मारवाड़ी कॉलेज के बाद यह यात्रा कांग्रेस ऑफिस पहुंचा है जहां चाय विश्राम रखा गया है। इसके बाद अशोक सम्राट भवन में लंच ब्रेक रखा गया है। फिर वही से यात्रा की शुरूआत खगड़ा मेला गेट से किया

जाएगा। यात्रा की समाप्ति संध्या करीब 5 बजे किया जाना है। इस यात्रा की समाप्ति एनएच हाईवे 3 नंबर गुमटी में होगी। जिसके बाद शहर के गांधी चौक में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जाएगा।यात्रा में सैकड़ो की तादाद में युवाओं की भीड़ देखने के साथ साथ वयस्कों की भी भीड़ देखी गई है। यात्रा में शामिल सभी कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ नारा लगाते हुए नौकरी दो और पलायन रोको का नारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे है। सभी के हाथ में कांग्रेस का झंडा देखा गया है। वही रैली का नेतृत्व जिला अध्यक्ष ईमाम अली चिंटू कर रहे है। जहां कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन सहित अन्य नेतागण भी शामिल है।

किशनगंज में रेलवे ट्रैक से मिला विक्षिप्त महिला का शव

किशनगंज। पोठिया थाना क्षेत्र के कुशियारी पंचायत के निमला गांव में रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतका की पहचान नौक्कता निवासी मंजूरा (22) के रूप में हुई है। बता दें कि इस्लामपुर से सिलीगुड़ी जाने वाली रेल लाइन के पिलर नंबर 46/7 के पास सुबह स्थानीय लोगों ने शव को देखा। घटना की जानकारी के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पोठिया थाने को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। प्रारंभिक जांच में ट्रेन की टक्कर से मौत होने की बात सामने आई है।थानाध्यक्ष अंजय अमन ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही घरवालों के साथ साथ इलाके में कोहराम मच गया है।

मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

बगहा। पुलिस ने रामनगर के धान्गड़ टोली में छापेमारी कर अवैध शराब के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर थानाध्यक्ष ललन कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में हजारों लीटर अर्द्धनिर्मित कच्ची शराब को नष्ट किया गया और शराब बनाने वाली सामग्री बरामद की गई। छठ पूजा और रामनवमी को लेकर जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने जब धान्गड़ टोली में छापेमारी की, तो मौके पर अवैध शराब की बड़ी खेप मौजूद थी।

हालांकि, पुलिस को देखते ही शराब कारोबारी भागने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से देसी चुलाई शराब भी बरामद की और उसे नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह के सख्त कदम उठाए जाएंगे।

राणा सांगा पर विवादित बयान से भड़की करनी सेना

गोपालगंज। वैकुंठपुर प्रखंड के राजापट्टी सिंह चौक पर राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना ने राणा सांगा पर विवादित बयान को लेकर सपा सांसद का विरोध किया। जहां करणी सेना के सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा को 'गद्दार' कहा था। इस बयान के विरोध में करनी सेना के कार्यकताओं ने सांसद का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने सांसद से तत्काल माफी मांगने की

मांग की। करनी सेना के सदस्यों ने कहा कि मुगलों की सेना को कई बार पराजित करने वाले राणा सांगा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सांसद के बयान को आपत्तिजनक और निंदनीय बताया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सांसद ने माफी नहीं मांगी तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा। कार्यकताओं ने कहा कि सांसद की टिप्पणी से हिंदू समाज में रोष है। उनका कहना है कि वीर शिरोमणि राणा सांगा का अपमान सपा सांसद की संकीर्ण मानसिकता को दशार्ता है।

कन्हैया कुमार की यात्रा में शामिल होंगे राहुल गांधी

7 अप्रैल को बेगूसराय जाएंगे, 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा में हिस्सा लेंगे

पटना। राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार आने वाले हैं। 'कन्हैया कुमार की पलायन रोको नौकरी दो' यात्रा में वह शामिल होंगे। 7 अप्रैल को बेगूसराय जिले मे कन्हैया की यात्रा होगी। राहुल गांधी पहले हॉफ मे बेगूसराय और दूसरे हाफ में पटना के कार्यक्रम मे शामिल होंगे। बेगूसराय में राहुल गांधी के स्वागत के लिए बड़े लेवल पर तैयारी चल रही है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी के चौपर को बेगूसराय में उतरने के लिए परमिशन के लिए एप्लिकेशन जा चुका है। परमिशन

मिलने के बाद कांग्रेस इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। राहुल गांधी पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में पार्टी की ओर से आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे। राहुल गांधी का इस साल ये तीसरा दौरा है। इससे पहले 18 जनवरी और 5 फरवरी को पटना आएं थे। चुनावी साल में राहुल के दौरे का काफी अहम माना जा रहा है। वहीं, 4 अप्रैल को राहुल गांधी बिहार के

40 कांग्रेस जिलाध्यक्षों के साथ दिल्ली में बैठक करेंगे। संविधान सम्मेलन इन मुद्दों पर फोकस 1. स्वाधीनता संग्राम में बापू के नमक सत्याग्रह आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व। 2. आजादी की लड़ाई में बुद्धु नोनिया की शहादत। 3. अमर शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी की शहादत। 4. स्वतंत्रता और समता सेनानी बाबू जगजीवन राम का ऐतिहासिक योगदान। 40 जिलाध्यक्षों की हुई है घोषणा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्षों की घोषणा मंगलवार को ही की गई है। प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने के लिए बिहार के 40 कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस सूची को मंजूरी दी है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया है। नए अध्यक्षों को जिले स्तर पर पार्टी की मजबूती के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

संक्षिप्त डायरी

बगहा में मगरमच्छों वाली नहर के पास बच्चा लापता

बगहा। के रामनगर के भावल पंचायत स्थित पिपरा गांव में एक अफवाह से पूरे गांव में मातम छा गया। जब एक मासूम बच्चा घर नहीं लौटा और नहर के किनारे उसकी चप्पल पड़ी मिली, तो यह खबर तेजी से फैल गई कि मगरमच्छ ने उसे अपना शिकार बना लिया है। गांव में कोहराम मच गया, लोग रोने-बिलखने लगे और पूरा माहौल गमगीन हो गया। लेकिन घंटों बाद जब बच्चा सही-सलामत घर लौटा, तो असलियत कुछ और ही निकली। वह खेलते-खेलते दूसरे गांव चला गया था और समय का अंदाजा न लगने के कारण देर से घर पहुंचा। घटना शाम के वक्त की है जब गांव का एक बच्चा खेलने निकला, लेकिन देर तक घर नहीं लौटा। पहले तो परिजनों ने सोचा कि वह दोस्तों के साथ कहीं खेल रहा होगा, लेकिन जब समय बीतता गया तो चिंता बढ़ने लगी। परिजन और गांव के लोग उसे ढूंढने निकले और कुछ ही देर बाद नहर किनारे उसकी चप्पल पड़ी मिली। यह वही जगह थी जहां अक्सर मगरमच्छ देखे जाते हैं। गांव के लोगों ने कई बार इन मगरमच्छों को बकरियों और कुत्तों का शिकार करते देखा था। ऐसे में जैसे ही बच्चे की चप्पल नहर किनारे मिली, लोगों को संदेह हुआ कि कहीं मगरमच्छ ने उसे निगल तो नहीं लिया। बस फिर क्या था, गांव में अफरा-तफरी मच गई। बच्चे के घर में कोहराम मच गया, लोग रोने-बिलखने लगे। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ नहर किनारे जमा हो गई। किसी ने फौरन पुलिस को खबर दी, और पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। जब पुलिस और ग्रामीण मगरमच्छ के संभावित हमले की पड़ताल कर रहे थे, तभी अचानक खबर आई कि बच्चा सुरक्षित घर लौट आया है। पता चला कि वह खेलते-खेलते दूसरे गांव चला गया था और उसे समय का अंदाजा ही नहीं रहा। जब वह घर लौटा, तब तक पूरा गांव मातम में डूब चुका था। बच्चे की सकुशल वापसी से लोगों ने राहत की सांस ली, दरअसल, पिपरा गांव के पास बहने वाली नहर में आधा दर्जन से अधिक मगरमच्छ मौजूद हैं। यही कारण है कि लोग डर गए।

बाइक सवार दो युवकों पर चाकू से हमला, गंभीर

गोपालगंज। के नगर थाना क्षेत्र में स्थित सुंदर पट्टी गांव के पास पूर्व विवाद को लेकर बाइक सवार आरोपियों ने दो युवकों पर हमला कर दिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनकी पहचान सुंदर पट्टी गांव निवासी रोहित सिंह और सन्नी कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि बदमाशों ने उनपर चाकू से और बाइक की चाबी से हमला कर घायल कर दिया। घायलों ने बताया कि दोनों दोस्त बाइक पर कहीं जा रहा था। गांव से कुछ दूर जाने पर बाइक सवार आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने पहले विवाद शुरू किया और फिर रोहित पर चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए सन्नी को भी चाबी से घायल कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायलों ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिसकर्मी बीके सिंह के नेतृत्व में टीम तुरंत मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छपरा में पेड़ से लटकी मिली युवती की लाश

छपरा। के मांझी थाना क्षेत्र के जैतीया गांव में बुधवार सुबह एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। मृतका की पहचान हरिंदर माझी की बेटी गुनगुन कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि गुनगुन मंगलवार की दोपहर से ही लापता थी। वहीं घटना की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। युवती का शव उसके दुपट्टे से लटका हुआ था, जिससे आत्महत्या और हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि गुनगुन मंगलवार दोपहर से लापता थी, जिसके बाद उसे खोजबीन की जा रही है। काफी तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन बुधवार सुबह गांव के बगीचे में आम के पेड़ से लटका हुआ शव बरामद किया गया। मांझी थानाध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस सभी संभावित कारणों की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा होगा।

तेज रफ्तार कार ने मासूम को कुचला, मौत

नालंदा। में घर के पास खेल रहे मासूम को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। इस हादसे में बच्चें की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामला चण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर गांव का है। मृतक की पहचान विशुनपुर गांव निवासी संजय कुमार के (03) वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में की गई है। घटना मंगलवार की शाम हुई थी। मृतक के परिजन ने बताया कि रंजन कुमार मंगलवार की शाम घर के पास ही खेल रहा था। तभी मुड़ल विगहा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार मारुति कार ने घर के पास खेल रहे बच्चें को टक्कर मार दिया और उसे कुचल दिया। हालांकि कार सवार मौके पर गाड़ी छोड़ फरार हो गया। वहीं, इस हादसे के बाद आनन-फानन में घायल रंजन कुमार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। मौत की पुष्टि के उपरांत परिजनों में कोहराम मच गया। शव को लेकर परिजन बुधवार को चण्डी थाना पहुंचे। इस मामले में चण्डी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि परिजनों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। गाड़ी को जब्त कर थाना लाया गया है। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस चालक की पहचान में जुट गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पूरे मामले की पुलिस पड़ताल की जा रही है।

आने वाली पीढ़ीयों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी : उपायुक्त

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिलावासियों से भू-जल स्तर में सुधार लाने और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन हेतु केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित किए जा रहे 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान में बढ़चढक़र भागीदारी करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढियों के लिए जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी है।

केंद्र सरकार की ओर से 'जल संचय जन भागीदारी - जन जागरूकता की ओर' थीम के साथ जल शक्ति अभियान कैच दी रेन के छठे संस्करण की शुरुआत की गई है, जिसे सफल बनाने के लिए सभी मिलकर आगे आएं। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान के तहत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, जियो-टैगिंग और सभी जल निकायों की सूची बनाना, वैज्ञानिक संरक्षण योजनाओं की तैयारी, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्र स्थापित करना,गहन वनरोपण और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। हमें जल की एक-एक बूंद को आने वाली पीढियों के लिए बचाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल संचय जन भागीदारी अभियान की शुरुआत जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के साथ-साथ भारत सरकार ने जल शक्ति अभियान, अटल भूजल योजना सहित कई कार्यक्रम लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना है।

यह सामूहिक प्रयास प्रभावी भागीदारी, टिकाऊ प्रथाओं और व्यापक जागरूकता के माध्यम से भारत के लिए जल-सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। सरकार की ओर से जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पलवल जिला में 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान का सफल क्रियान्वयन करवाने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की सतत मॉनिटरिंग करने की बात कही।

गुरुग्राम में गोदाम में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सरस्वती एन्क्लेव के एक गोदाम में भीषण आग लग गई, जिसके बाद आग बुझाने के लिए दमकल की 22 गाड़ियों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेक्टर-37 के दमकल केंद्र के अग्निशमन अधिकारी जय नारायण ने बताया कि आग मंगलवार रात करीब साढ़े 11 बजे लगी और बुधवार सुबह तक इस पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था। नारायण ने बताया, दमकल विभाग को मंगलवार रात 11 बजकर 39 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। आग बुझाने के लिए गुरुग्राम, नूंह और झज्जर से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाने का काम अब भी जारी है। इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

एमसीजी और जीएमडीए ने संयुक्त रूप से तोड़फोड़ अभियान चलाया

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) द्वारा बुधवार को गुरुग्राम के सेक्टर-69 क्षेत्र में संयुक्त रूप से तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इससे पहले, जीएमडीए ने एसपीआर के साथ 60 एकड़ से अधिक हरित पट्टी को साफ किया, जबकि इस क्षेत्र की नियमित निगरानी भी की जा रही है। गुरुग्राम में अतिक्रमण के लिए नोडल अधिकारी आर.एस. बाथ और डीटीपी जीएमडीए ने जीएमडीए, एमसीजी के प्रवर्तन विंग के अधिकारियों के साथ सेक्टर 69 में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। बाठ ने कहा कि अभियान के दौरान 50 से अधिक पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, उन्होंने कहा कि लगभग दो रेस्तरां, एक कार्यालय परिसर, दो कार धोने के क्षेत्र और दो कार पॉलिश की दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, ये दुकानें और प्रतिष्ठान जीएमडीए के अधिकार क्षेत्र में सर्विस रोड के किनारे बिना किसी उचित अनुमति के बनाए गए थे। बाथ ने कहा कि एमसीजी ने इन उल्लंघनकर्ताओं को नोटिस भी जारी किए हैं और बुधवार को जीएमडीए द्वारा किए गए तोड़फोड़ अभियान में उन्हें हटाने का समन्वय किया है। उन्होंने कहा, "यह भी पाया गया कि तीन से चार झुग्गियों ने उस क्षेत्र पर फिर से कब्जा कर लिया है जिसे पहले अतिक्रमण मुक्त किया गया था और उनके अनधिकृत आवासों को भी अभियान में हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि जीएमडीए और स्थानीय प्रशासन के अन्य विभाग शहर में अतिक्रमण के मुद्दे पर सख्त संज्ञान ले रहे हैं और गुरुग्राम में जीएमडीए द्वारा ऐसे कई संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाए जाएंगे। आर.एस. बाथ ने कहा, "हमारा ध्यान आगे के सौंदर्यीकरण और विकास उद्देश्यों के लिए ग्रीन बेल्ट और सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने की ओर है। इसके अतिरिक्त, किसी भी अवैध कॉलोनियों और निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी और शहर में संयुक्त अभियान जारी रहेगा।

दो बाइक की टक्कर में जीजा-साला घायल

सोहना। भोंडसी-सिलानी परमिट लाइन के गांव महेंद्रवाड़ा के निकट दो बाइकों की आपसी भिंड़त में जीजा-साला घायल हो गए। घायलों को सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया है। पुलिस ने जीजा की शिकायत पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। खंड के गांव हाजिपुर निवासी मोहित ने सदर थाना पुलिस सोहना को बताया कि मंगलवार को वह गांव खेड़ा खलीलपुर नूंह निवासी अपने साले गौरव के साथ सोहना से भोंडसी जा रहा था। जब वह परमिट लाइन मार्ग के गांव महेंद्रवाड़ा के पास पहुंचा तभी सामने से बाइक को लापरवाही से चलाते हुए आ रहे अज्ञात युवक ने सीधी टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। वहीं, आरोपी अपनी बाइक लेकर भाग गया। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

फर्जी कागजों के आधार पर जमीन हड़पने का मामला दर्ज

सोहना। सदर थाना पुलिस ने शिकायत पर महिला समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर धोखाधड़ी से डेढ़ करोड़ की जमीन पर मृतक के फर्जी अंगूठा लगाकर 2017 में हल्का पटवारी के खाते में रहन का रिकार्ड दर्ज कराने का आरोप है। गांव टोलनी निवासी अशोक ने सदर थाना पुलिस सोहना को एक लिखित में शिकायत दी है। अशोक ने पुलिस को बताया कि उसके ही गांव के निवासी रविंद्र सिंह, सरबती, बीपाल, अजीतपाल और राजबीर गांव मंडावर निवासी ने मिलीभगत कर उनकी जमीन का फर्जी इकरारनामा तैयार कर लिया। उन्होंने उक्त जमीन का इकरारामा चार जून 2004 में 791 नंबर शीशराम से कराया था। उसके बाद आरोपियों ने फर्जीवाड़ा करते हुए उक्त जमीन के मृत मालिक का फर्जी अंगूठा लगाया था, जिसका खुलासा लिखाई जांच विशेषज्ञ की रिपोर्ट से हुआ।

सूटकेस में मिला युवती का सिर कटा शव

फरीदाबाद। मवई इलाके में बुधवार को एक युवती का सिर कटा शव मिलने से सनसनी फैल गई है। राहगीर की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार मृतक युवती की उम्र 25 से 30 साल के बीच आंकी गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे, हरियाणा के लोग दिल खोलकर करेंगे प्रधानमंत्री का स्वागत : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में बीजेपी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को दो बड़ी सौगातें देंगे जिसमें हिसार स्थित एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा और यमुनानगर में 800 मेगावाट बिजली की यूनिट का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री का दिल खोलकर स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व स्तर पर भारत की पहचान को मजबूत किया है और एक विजन लेकर विकसित भारत के मिशन में लगे हैं। प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार विकसित भारत विकसित हरियाणा की तर्ज पर तीन गुना तेजी से विकास कार्यों को कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर कार्यक्रम की तैयारी और व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं।

प्रदेश को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर मिलेंगी दो बड़ी सौगातें.....
हिसार एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ-साथ यमुनानगर में 800 मेगावाट की यूनिट का प्रधानमंत्री करेंगे शिलान्यास
मंडियों में फसलों की आवक को लेकर सभी तैयारियां पूरी, 48 घंटे में उठान और किसानों के खातों में पैसा देना सुनिश्चित करें अधिकारी : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

आगामी 5 तारीख को रोहतक में प्रदेश के सभी मंत्रियों, विधायकों और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित कर पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बिल पेश करने जा रही है जिसके लागू होने से वक्फ बोर्ड को लेकर कोई भी डिस्प्यूट नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने मंडियों में फसलों की आवक को लेकर कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। फसल की आवक को लेकर मंडियों में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि 48 घंटे में उठान करवाना सुनिश्चित करें और निश्चित अवधि में किसानों के खाते में फसल का पैसा भी भेजना सुनिश्चित करें। अधिकारी मंडियों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं भी देना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्रों की बधाई दी और लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की भी कामना की। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा व अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे

मंत्री राव नरबीर ने जन्मदिन पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गुरुग्राम।

कैबिनेट मंत्री एवं बादशाहपुर से विधायक राव नरबीर सिंह ने अपना जन्मदिन बुधवार को उनके सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों के बीच मनाया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करके संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं दी और स्वस्थ्य और लंबे जीवन की कामना की। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पौधारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा की पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण जरूरी है। पर्यावरण हरा-भरा रहेगा, तभी जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने आमजन से अपने जीवन के विभिन्न शुभ अवसरों पर एक पौधा लगाने का आह्वान भी किया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने राव नरबीर सिंह के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए एक्स पर लिखा-टीम हरियाणा के हमारे साथी, कैबिनेट मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता राव नरबीर सिंह को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं। आप सदैव स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों, ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं। कैबिनेट मंत्री

-मंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

-सीएम नायब सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कैबिनेट मंत्री को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

विपुल गोयल ने स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने एक्स पर लिखा-कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ भाजपा नेता राव नरबीर सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम से आपके सुस्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, हरियाणा सरकार में राज्य मंत्री गौरव गौतम सहित विभिन्न राजनीतिक हस्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से कैबिनेट मंत्री को अपनी शुभकामनाएं दी।

सीएम का ओएसडी बनकर डीएचबीवीएन के एसडीओ को धमकाया

-कॉल करके बिजली के खंभे लगाने का काम रुकवाया

-आरोपी ने डीएचबीवीएन के एसडीओ को की थी कॉल

गुरुग्राम।

मुख्यमंत्री का खुद को ओएसडी बताकर एक व्यक्ति ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के एसडीओ को कॉल करके खंभे लगाने का काम रुकवा दिया। आरोपी के मोबाइल नंबर पर को जब टू कॉलर पर सर्च किया गया तो वीरेंद्र सीएम हाउस लिखा नजर आया। एसडीओ ने बुधवार को बताया कि कॉल करके दबाव बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बता दें कि वीरेंद्र बडख़ालसा सोनीपत के रहने वाले हैं। वे सीएम के दूसरी बार ओएसडी बने हैं। उनके नाम का ही दुरुपयोग किया जा रहा था।

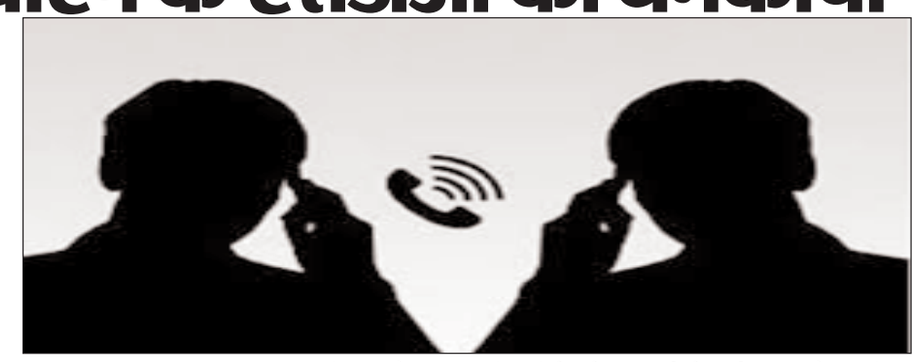

जानकारी के अनुसार पहली अप्रैल की सुबह करीब साढ़े 10 बजे डीएचबीवीएन के डीएलएफ सिटी सब-डिवीजन के एसडीओ सतीश चंद के मोबाइल पर एक वाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सीएम हाउस का ओएसडी बताया। उसने एसडीओ से कहा कि वह वीरेंद्र बोल रहा है। अरावली पहाड़ी की एक साइट पर जो खंभे लगाए गए हैं, उनको हटाया जाए। कॉल ने कहा कि वह अवैध साइट है और वहां पर खंभे ना लगाएं। एसडीओ सतीश चंद ने विभाग के उच्च अधिकारियों को इस बात की जानकारी दी। एसडीओ ने वाट्सऐप पर आई कॉल का स्क्रीन शॉट उच्चाधिकारियों को भेजा। डीएचबीवीएन के अधिकारियों ने अपने स्तर पर जांच-पड़ताल की। इस दौरान मुख्यमंत्री के ओएसडी के पीए का कॉल आया और उनकी तरफ से बताया गया कि जिस मोबाइल से आपके पास फोन आया है। वह व्यक्ति मुख्यमंत्री के ओएसडी के नाम का दुरुपयोग कर रहा है। उसके खिलाफ अपने स्तर पर उचित कार्रवाई की जाए। एसडीओ सतीश चंद के मुताबिक बिजली का खंभा लगाने का मामला बड़ा नहीं था। कोई विवाद भी नहीं था। खंभा नहीं लगाने के लिए इस तरह से फर्जीवाड़ा करके आरोपी ने सरकारी कामकाज में बाधा डाली है। सेक्टर-56 पुलिस थाना के कार्यकारी प्रभारी दिनेश ने कहा कि एसडीओ सुभाष चंद ने इस तरह के फर्जीवाड़े में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी को काबू कर लिया जाएगा।

पलवल में हाई वे किनारे रूके युवक की कार छीनी

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बंचारी के पास तीन बदमाशों ने युवक से कार छीनने का मामला सामने आया है। युवक ने शौच के लिए गाड़ी रोकी थी। इस दौरान तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर लूट को अंजाम दिया। पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। घटना 31 मार्च की देर शाम की है। मथुरा के अकबरपुर के रहने वाले विष्णु अपनी गाड़ी से फरीदाबाद जा रहे थे। रास्ते में बंचारी के पास एक नाले के निकट उन्होंने शौच के लिए गाड़ी रोकी। इसी दौरान तीन युवक वहां आए और गाड़ी की चाबी मांगने लगे। विष्णु ने चाबी देने से मना किया तो बदमाशों ने देसी कट्टा निकाल लिया। जान से मारने की धमकी देकर चाबी छीन ली और कार लेकर पलवल की तरफ फरार हो गए। पीड़ित ने मुंडकटी थाना पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी रेणु शेखावत ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि पीडित के अनुसार दी गई शिकायत के आधार पर तुरंत हाईवे पर आगे के सभी थानों और चौकियों को अलर्ट कर दिया। कई टीमें बदमाशों की तलाश में लगी हैं। विष्णु की शिकायत पर तीन अज्ञात हथियारबंद लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़कर पीड़ित की कार बरामद कर दी जाएगी।

डिजिटल अरेस्ट कर 40 लाख ठगने की आरोपी महिला गिरफ्तार

फरीदाबाद। केन्द्रीय श्रम मंत्रालय की सेवानिवृत महिला अधिकारी से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 40 लाख की धोखाधडी करने के मामले में थाना साइबर अपराध एनआईटी की टीम ने एक महिला आरोपी नीलम निवासी अजमेर राजस्थान को अजमेर से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि 10 जनवरी को पोर्टल के माध्यम से फरीदाबाद की ग्रीन वैली में रहने वाली एक महिला की साइबर फ्रॉड की शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें उसने बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। जिसने अपने आपको ट्राई का कर्मचारी बताया, ठग ने शिकायतकर्ता से कहा कि उसके फोन नंबर का उपयोग लोगों से जबरन वसूली करने के लिए किया जा रहा है। फिर कॉल करने वाले ने शिकायतकर्ता की पुलिसकर्मी से बात कराई। पुलिसकर्मी ने शिकायतकर्ता को बताया कि उसके आधार नंबर का उपयोग केनरा बैंक मुंबई में एक खाता खोलने के लिए किया गया है, इस खाते में लगभग 6 करोड़ का अवैध लेनदेन किया गया है। ठगो ने शिकायतकर्ता पर दबाव बनाते हुए कहा कि आपके विरुद्ध एक व्यक्ति ने शिकायत दे रखी है और उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, कि आपके खाते में अवैध धन आया है, इन अवैध गतिविधियों पर मुंबई में कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए हैं और संपत्ति जब्ती के लिए भी वारंट जारी किये है। ठगो ने शिकायतकर्ता के पास मामले के संबंध में वारंट भी भेजे। ठगों के द्वारा शिकायतकर्ता को 11 से 29 नवंबर तक हाउस अरेस्ट रखा और शिकायतकर्ता के साथ 40 लाख रुपए का फ्रॉड किया। जिस पर साइबर थाना एनआईटी में मामला दर्ज किया गया। आरोपी महिला ने पूछताछ में बताया कि वह दाई मां का काम करती है तथा एमए की पढ़ाई की हुई है, उसने कमीशन के लालच में आकर अपना खाता आरोपी रिषिकेश को बेच दिया था, इस खाते में ठगी के 30 लाख रूपये आये थे । आरोपी रिषिकेश सहित 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ के लिए महिला आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर 4 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

युवक पर चलाई गोली,बाल-बाल बचा पीड़ित

पलवल। पलवल के होडल थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े युवक पर गोली चलाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने गाली-गलौच का विरोध करने पर युवक पर गोली चला दी। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी अनुसार पीड़ित भारत सुबह अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान गांव का रहने वाला आकाश वहां आया और गाली-गलौज करने लगा।भारत ने जब इसका विरोध किया तो आकाश ने अपनी जेब से अवैध हथियार निकाला। उसने भारत को जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली पीड़ित को नहीं लगी और वह बच गया। गोली चलने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। इससे पहले ही आरोपी आकाश वहां से फरार हो गया।

पीएम मोदी से मिलीं हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, पीएम ने दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कीं. मुलाकात के दौरान हरियाणा में स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं पर चर्चा हुई. मौके पर कुमारी आरती सिंह राव के पिता केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन, योजना और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी साथ थे. पीएम के आह्वान से हरियाणा में स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्होंने आशीर्वाद लिया. प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए सहयोग बढ़ाने का अनुरोध किया गया. प्रधानमंत्री को उन्होंने अवगत करवाया कि वर्ष 2015 में उन्होंने पानीपत से "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" अभियान की जो शुरूआत की गई थी. उस वक्त हरियाणा में लिंगानुपात 1000 लड़कों की तुलना में मात्र 871 था, लेकिन प्रधानमंत्री के आह्वान और हरियाणा सरकार के प्रयासों की बदौलत अब यह लिंगानुपात 910 तक पहुंच गया है. लेकिन प्रदेश सरकार इस अनुपात को समान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है. बाद में मीडिया से बातचीत में कुमारी आरती सिंह राव ने कानून बनाकर केंद्र सरकार द्वारा नए वक्फ बोर्ड में महिलाओं को शामिल किये जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी. उन्होंने बताया कि अब वक्फ बोर्ड में शिया, सुन्नी के साथ महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा. उन्होंने साफ किया कि वक्फ का मामला धर्म से नहीं, बल्कि संपत्ति की सुरक्षा से जुड़ा है. इसमें गरीब तबके के लोगों और महिलाओं की भागीदारी से मुसलमान बहन-भाइयों के हित में कल्याणकारी कदम उठाने में मदद मिलेगी. स्वास्थ्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया का

सबसे लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा कि पीएम मोदी देश के हर वर्ग की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री हैं. उन्होंने मुस्लिम समाज की बहनों को तीन तलाक के काले कानून से मुक्ति दिलाकर महिलाओं के मन से हमेशा के लिए बेवजह तलाक के डर को खत्म कर दिया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं और गरीब वर्ग के सबसे बड़े हितैषी हैं.

पहले दो समन में पेश नहीं हुए कामरा को थमाया तीसरा समन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था- एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड। कामरा ने लिखा-आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं - या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी।

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत पिछले दो दिनों से बिगड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उनका ब्लड शुगर बढ़ गया है, जिससे उनके एक पुराने जख्म में तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास में डॉक्टरों की टीम उनकी देख-रेख कर रही है। डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। आज बुधवार को एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली ले जाने की बात सूत्र बता रहे हैं। इससे पहले 26 मार्च को गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ प्रदर्शन में वे तेजस्वी यादव के साथ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार को देखना चाहिए, हम इसके विरोध में हैं। जनता सब समझ रही है। यहां बताते चलें कि लालू यादव के अनेक बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें 2014 में ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी, जिसमें एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। 2022 में सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट की थी। सितंबर 2024 में मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसमें एक स्टेंट लगाया गया था। 76 वर्षीय लालू यादव की तबीयत पहले भी कई बार खराब हो चुकी है, लेकिन इस बार शुगर लेवल बढ़ने के कारण डॉक्टर ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं।

अनंत अंबानी ने पदयात्रा में 250 मुर्गियों की जान बचाई

जामनगर (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पदयात्रा चल रही है। वह अपने जन्मदिन पर द्वारकाधीश जाकर भगवान द्वारकाधीश का आशीर्वाद लेंगे। मंगलवार को वह पाटिया गांव पहुंचे। पदयात्रा के दौरान रास्ते में 250 मुर्गा-मुर्गियों को बाजार में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। उन्होंने रोककर दुगनी कीमत देकर 250 मुर्गा मुर्गियों को आजाद करवा दिया। अनंत अंबानी पक्षियों और पशुओं के प्रति काफी संवेदनशील हैं। जामनगर में उन्होंने वन तारा नाम से एनिमल रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित कर रखा है। जिसे प्राणी मित्र के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

गो तस्करों और सीआईए टीम के बीच हुई मुठभेड़, 2 तस्कर घायल, जवान को लगी गोली

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले में 14 दिनों में तीसरी मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को तावडू सीआईए की टीम और गो तस्करों के बीच गांव सीलखो पहाड़ के पास मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में दो गो तस्कर, सलीम (पुत्र जुम्मे खां, निवासी पचगांव) और साजिद (पुत्र इसाक, निवासी नागलपुर) घायल हो गए। दोनों को शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो अवैध बंदूकें, एक कारतूस, चार खाली कारतूस, एक मिस कारतूस, एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, तीन गोवंश, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान दो तस्कर घायल हुए हैं। यह जिले में 14 दिनों के भीतर गो तस्करों और पुलिस के बीच तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 18 मार्च को तावडू सीमा के गांव गुरनावट में रेलवे ट्रैक के पास आडवाणी गैंग के तीन गो तस्कर पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए थे, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इसके बाद नूंह-सोहना सड़क पर नूंह सीआईए की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो गो तस्कर भाग निकले थे। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में गो तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती को उजागर किया है। जांच जारी है और पुलिस फरार संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

64 साल बाद गुजरात में कांग्रेस करेगी अधिवेशन, खोई ऊर्जा हासिल करने का प्रयास

यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एक शुरुआती कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

यह एआईसीसी सत्र कई ऐतिहासिक संयोगों के कारण खास है। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित होगा। सरदार पटेल की विरासत पर फिर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति? बीते एक दशक में बीजेपी ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन महज संयोग नहीं माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर हो रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी।

भारत ने भी भेजी 400 टन राहत सामग्री म्यांमार, तलाशी अभियान में भी जुटी भारतीय टीम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने मदद के हाथ बढ़ाया था। भारत ने मंगलवार को फिर 400 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। इसके अलावा भारत ने राहत-बचाव और तलाशी अभियान के लिए टीम भी भेजी है। भारत सरकार ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहा है। बता दें शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। भारत मांडले एयरपोर्ट पर एक अस्पताल भी चला रहा है जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। वहीं 80 सदस्यों वाली एनडीआरएफ टीम इमारतों के मलबे से लोगों को निकालने का काम कर रही है। मंगलवार को विशाखापट्टनम पोर्ट से आईएनएस घड़ियाल को 442 मीट्रिक टन राहत सामग्री के साथ रवाना किया गया है। वहीं एसी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए 16 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। 30 टन राहत सामग्री पहले ही म्यांमार पहुंचाई जा चुकी है। इसमें खाने का सामान, टेंट और दवाइयां थीं। आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 50 टन सामग्री लेकर म्यांमार पहुंच चुका है। म्यांमार में तेज भूकंप के बाद भी कई झटके आए हैं। ऐसे में लोग डरे हुए हैं और वे अपने घर जाने को तैयार नहीं हैं। बड़ी संख्या में लोग खुले में या फिर टेंट में रहने को मजबूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि पड़ोसी प्रथम की नीति के तहत भारत ने तुरंत ही राहत और बचाव के लिए इंतजाम शुरु कर दिए थे। भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सबसे पहले मदद का हाथ आगे बढ़ाता है।

महाराष्ट्र में किसान की अपील, किडनी, लीवर और आंखे ले लो, और कर्ज से मुक्ति दे दो

वाशिम (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक किसान ने महाराष्ट्र सरकार की नीति के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया है। अडोली गांव निवासी किसान सतीश ईडोले वाशिम के मुख्य मार्केट पहुंचे। जहां उनके गले में एक बैनर लटका हुआ दिखा। बैनर पर लिखा था किसानों के शरीर के अंग मोल ले लीजिए और कर्ज से मुक्ति दे दीजिए उसके नीचे शरीर के अंगों की कीमत डाल रखी थी। इसमें किडनी की कीमत 75 हजार, लीवर 90 हजार, आंखें 25 हजार रुपए लिखी गई थी।

किसान ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिला अधिकारी कार्यालय की ओर से लिखित पत्र भी भेजा है। पत्र में लिखा है कि चुनाव के पहले देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि उनकी सरकार आएगी, तब किसानों का कर्ज माफ करेगी। मेरे पास कर्ज चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं और आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिख रहा है। किसान ईडोले के पास 2 एकड़ खेत है। बताया जाता है कि किसान पर महाराष्ट्र बैंक का 1 लाख रुपये के आसपास का क्रॉप लोन बकाया है। किसान सतीश ने कहा कि चुनाव से पहले वादा किया था कि अगर उनकी सरकार आई, तब किसानों का कर्ज माफ होगा। लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने हाल ही में कहा है कि कर्ज माफ नहीं होगा। किसान कर्ज का भुगतान करें। किसान ने सरकार से कहा कि उसकी किडनी की कीमत से भी उसका कर्ज अदा नहीं हुआ, तब उसकी पत्नी की किडनी 40 हजार, बड़े बेटे के किडनी की 20 हजार और छोटे बेटे की किडनी 10 हजार रुपए में ले लिया जाए और कर्ज से मुक्ति दे दिया जाएगा।

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

राजस्थान में पारा पहुंचा 42 डिग्री के पार, दक्षिण में हल्की से मध्यम बारिश असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है।

वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

सोनिया गांधी को केंद्रीय मंत्री प्रधान का जबाव, एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के शिक्षा नीति को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोनिया गांधी ने हाल ही में मोदी सरकार पर शिक्षा क्षेत्र में केंद्रीकरण, कारोबारीकरण और सांप्रदायिकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव है, जो भारत को बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्त करने की दिशा में बढ़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने एक अग्रेंजी अखबार में एक लेख के जरिए तर्क दिया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने भारत की शिक्षा प्रणाली की काफी अनदेखी की, जिससे संस्थानों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन तेजी से बढ़ा। उन्होंने 2009 में हुए डीम्ड विश्वविद्यालय घोटाले का हवाला देकर कहा कि बिना उचित मूल्यांकन के कई निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया था, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता काफी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ा, और शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी रही। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने पाठ्यपुस्तकों में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कम दिखाया गया, जबकि विदेशी आक्रमणों का महिमामंडन किया गया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 इन पुरानी नीतियों से एक निर्णायक विराम है, और इसे व्यापक लोकतांत्रिक परामर्श के बाद लागू किया गया है। शिक्षा मंत्री ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि महिला पीएचडी नामांकन में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और एसटीईएमएम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाया जा रहा है।

तमिलनाडु में नीट को लेकर 8 सालों में 20 परीक्षार्थियों ने की खुदकुशी

राज्य की मुख्य पार्टियां भी हटाना चाहती हैं नीट, नहीं मिल रही सफलता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में कम-से-कम 20 नीट के परीक्षार्थी खुदकुशी कर चुके हैं। राज्य की मुख्य पार्टियां भी नीट को हटाना चाहती हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। तमिलनाडु में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा ने हाल ही में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रा ने साल 2021 में 12वीं की परीक्षा पास की थी। वह पिछले तीन सालों से नीट-यूजी की परीक्षा दे रही थी, लेकिन सफल नहीं हो सकी। इस साल 4 मई को होने वाली नीट की परीक्षा को लेकर वह तनाव में थी। इस घटना के बाद तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के महासचिव के पलानीस्वामी ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को घेरा है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- डीएमके ने यह कहकर कि अगर वह सत्ता में आई तो तमिलनाडु में नीट नहीं होगा, झूठ बोला है और छात्रों को धोखा दिया है। क्या नीट की वजह से लगातार होती मौतें डीएमके के लिए चिंता का विषय नहीं है? एक रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में 20 नीट प्रतियोगी खुदकुशी कर चुके हैं।

यह राज्य में एक बड़ा मुद्दा है। राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके नीट का विरोध करती हैं। दोनों पार्टियां राज्य विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कर हैं। एमबीबीएस और बीडीएस जैसे अंडर-ग्रैजुएट मेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए होने वाली नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा में कक्षा 12वीं पास करने के बाद बैठा जा सकता है। इसके जरिए युवा विद्यार्थियों को देश के सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों में दाखिला मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दशक में मेडिकल सीटों के लिए होने वाली परीक्षा के प्रारूप में काफी बदलाव हुए। साल 2013 से पहले मेडिकल सीटों पर दाखिले के लिए कई परीक्षाएं होती थीं। कई राज्य और मेडिकल कॉलेज अपनी अलग परीक्षाएं करवाते थे। वहीं, केंद्रीय स्तर पर ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट लिया जाता था। साल 2013 में पहली बार नीट परीक्षा करवाई गई। इसके बाद के कुछ सालों में कई बदलाव और विवाद हुए जिसके बाद 2017 से हर साल नीट की परीक्षा करवाई जाने लगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 में एक दलित लड़की अनीता ने राज्य की बोर्ड परीक्षाओं में 1200 में से 1176 अंक हासिल किए लेकिन वह नीट में सफल नहीं हो सकीं। उनका कहना था कि वह नीट को समझ नहीं पाई क्योंकि यह सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है और गरीब परिवार से आने के चलते वह कोचिंग नहीं ले सकतीं। अनीता सुप्रीम कोर्ट में नीट को चुनौती देने वाले एक मामले में याचिकाकर्ता भी थीं। जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि नीट के अलावा किसी और तरीके से मेडिकल सीट पर दाखिला नहीं दिया जाएगा, तो इस फैसले के नौ दिन बाद अनीता ने आत्महत्या कर ली थी।

आलोचकों का कहना है कि नीट के सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होने की वजह से इसमें तमिल बोर्ड के विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ता है। वे यह भी कहते हैं कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में विद्यार्थी तमिल भाषा में ही पढ़ाई करते हैं और वे नीट परीक्षा में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन नहीं करते हैं। इसके अलावा, यह तर्क भी दिया जाता है कि नीट की वजह से राज्य की शिक्षा प्रणाली पर नकारात्मक असर हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा- राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं... अखिलेश का तंज

-बोले- योगी को राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है कि राजनीति उनके लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व ने मुझे यूपी की जनता के लिए काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं असल में एक योगी हूं, राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। योगी की इस बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा- दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र' होती है, जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है। योगी इससे पहले भी कह चुके हैं कि वह पहले गोरक्षपीठ के महंत हैं और उसके बाद उन्हें सीएम की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने अपनी सरकार के 8 साल पूरे होने के मौके पर यह बात कही थी।

वक्फ बिल को लेकर योगी ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। कोई एक काम भी वक्फ बोर्ड गिना सकता है क्या कि उसने समाज के कल्याण के लिए कोई काम किया है। ये सब व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हैं। सरकारी संपत्ति पर काबिज होने के ये जरिया बने हुए हैं। हर सुधार का विरोध होता है, लेकिन देश, काल और परिस्थिति के मुताबिक हमें बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम समुदाय को होगा और कानून-व्यवस्था का जो संकट खड़ा है, उससे भी मुक्ति मिलेगी।

हिंदू मठ और मंदिर तो गोशाला, कैंटीन, अस्तपाल चलाते हैं, वक्फ क्या कर रहा आप हिंदू मठ-मंदिरों को देखते हैं तो वे अपने सीमित संसाधनों से ही वेलफेयर के काम करते हैं। सरकारों से कोई सहयोग नहीं मिलता। फिर भी वे गोशाला, स्कूल, कैंटीन, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे तमाम संस्थान चलाते हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप देते हैं। किसी वक्फ बोर्ड ने आज तक कोई ऐसा काम किया है क्या।

ये लोग जिस संपत्ति को भी कह देते हैं कि वह वक्फ की है, उसे उनका मान लिया जाता है। यह कहां का क्या न्याय है। किसी भी संपत्ति पर कब्जे की प्रवृत्ति बंद होनी चाहिए और वक्फ का ऑडिट होना चाहिए। पता चलना चाहिए कि उससे समाज के लिए क्या काम हुआ है। समाज की बात छोड़िए। यही बता दें कि आखिर मुसलमानों के लिए ही उन्होंने क्या किया है।

4 अप्रैल से मौसम में आएगा बदलाव, तेज हवाओं व बारिश की चेतावनी जारी

-गुजरात के कच्छ और भावनगर में लू का येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में इस समय मौसम बड़ा असीब हो रता है। राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो परेशानियों का कारण बन रहा है, जबकि कुछ इलाकों में बेमौसम बारिश की संभावना ने मौसम को और भी जटिल बना दिया है। दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली है, और यहां बेमौसम बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।

साथ ही, कच्छ और भावनगर जैसे क्षेत्रों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। यह मौसम का दोहरा रूप राज्य के नागरिकों को तैयार रहने के लिए कहता है, क्योंकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार 2 अप्रैल के लिए कच्छ और भावनगर में लू के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, साबरकांठा, महिसागर, दाहोद, वडोदरा, सूरत, तापी, और कई अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जो मौसम को और चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक 4 अप्रैल तक राज्य में तापमान सामान्य होने की संभावना है, लेकिन तब तक लोगों को अत्यधिक गर्मी और 17 जिलों में बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ सकता है। गुजरात के मौसम के इस बदलाव के बीच, यह जरूरी है कि लोग अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहें। वहीं, राजस्थान में 4 अप्रैल को मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। राज्य के 15 जिलों में बारिश और आंधी की संभावना है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। यह बदलाव राजस्थान में बढ़ती गर्मी से राहत दिला सकता है, लेकिन इसके साथ ही मौसम में अस्थिरता भी आ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल को फिर से मौसम में बदलाव होगा और तापमान में वृद्धि हो सकती है।

राजस्थान में 1 से 3 अप्रैल के बीच राज्य के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, जबकि उत्तर राजस्थान में हल्की से तेज हवाएं 20-30 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। 2 अप्रैल को बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और कोटा में बारिश की संभावना है, जबकि 3 अप्रैल को अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में बारिश के साथ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम में अचानक बदलाव आ सकता है।

रणदीप हुड्डा ने की साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ

रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म जाट में नजर आएंगे। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्मों के रि-रिलीज होने पर कहा कि वे इसे भेड़चाल मानते हैं, क्योंकि अगर कोई एक चीज चल पड़ती है, तो सभी लोग वही करने लगते हैं।

रणदीप हुड्डा हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि रि-रिलीज फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं इसे भेड़ चाल मानता हूं। यह एक सोशल मीडिया ट्रेंड जैसा बन गया है। एक या दो फिल्में रि-रिलीज के बाद अच्छी चल गई, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी फिल्में अच्छी चलेंगी। अगर किसी एक जॉनर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसके बाद सभी उसी तरह की फिल्में बनाने लगते हैं, जैसे अब स्त्री के बाद सभी हॉरर कॉमेडी फिल्में बनाने लग रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मुझे नहीं लगता कि यह मापदंड होना चाहिए। इंडस्ट्री कई कारणों से संकट का सामना कर रही है। अब ज्यादा फिल्में नहीं बन रही हैं, बल्कि उनका कार्यान्वयन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा, अब एक्सपेरिमेंट ओटीटी पर ही संभव है। हालांकि, यहां भी लोग सब्सक्रिप्शन के पीछे भाग रहे हैं, फिर भी ओटीटी पर उम्मीद बनी हुई है।

साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ करते हुए रणदीप ने कहा कि उनकी फिल्मों में असली इंसानी भावनाओं पर ध्यान दिया जाता है, जिससे उनकी फिल्में ज्यादा जुड़ी हुई और सच्ची लगती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, वे हमारी तरह ही फिल्में बना रहे हैं, बस किरदारों को ज्यादा सच्चे तरीके से दिखाते हैं। जैसे पुष्पा में छह पैक एब्स नहीं हैं, बल्कि उसके पास दाढ़ी है और कंधा भी थोड़ा टेड़ा है। बता दें, रणदीप हुड्डा और सनी देओल की अपकमिंग फिल्म जाट में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणदीप विलेन का किरदार निभाएंगे।

सादिया ने साझा की 'द डिप्लोमैट' से जुड़ी यादें

अभिनेता जॉन अब्राहम के अभिनय से सजी फिल्म 'द डिप्लोमैट' में सादिया खतीब भी नजर आईं। इस फिल्म की कहानी में जॉन ने राजनयिक जेपी सिंह का किरदार निभाया है। वहीं उस्मा नाम की महिला के किरदार में सादिया खतीब दिखीं। फिल्म में जेपी सिंह (जॉन अब्राहम) एक भारतीय महिला उस्मा (सादिया खतीब) को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की कोशिश करता है, इसके लिए राजनायिक स्तर पर प्रयास करता है। हाल ही में सादिया ने इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी यादें साझा कीं। सादिया खतीब ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक वीडियो में वह जॉन अब्राहम और फिल्म 'द डिप्लोमैट' की टीम के साथ डांस कर रही हैं। 'तू मेरा हीरो' गाने पर सादिया, जॉन के साथ खूब एंज्वॉय कर रही हैं। यह गाना जॉन की ही एक पुरानी फिल्म 'देसी बॉयज' का है।

शारिब हाशमी संग गाना गाया

कुछ और वीडियो भी सादिया ने साझा किए हैं, जिसमें वह अभिनेता शारिब हाशमी के साथ हिंदी फिल्मों के पुराने गीतों को गुनगुना रही हैं। किसी-किसी वीडियो में दोनों एक्टर फनी डांस कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान सादिया ने अपने को-एक्टर्स के साथ खूब मस्ती-मजाक किया है। सादिया ने जॉन और शारिब के अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' के क्रू के साथ भी कुछ मजेदार तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन भी लिखा है, 'यादों का पिटारा।' इसके अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' का हैशटैग भी लिखा है। ठीक-ठाक रहा फिल्म का कलेक्शन फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म ठीक-ठाक बिजनेस ही कर सकी है। फिल्म ने अब तक कुल 31. 25 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

'पुष्पा 2' की सफलता के बाद अपना नाम बदलेंगे अल्लू

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकाईस को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्वेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. थिएटर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सरहाया गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो ' ' और दो 'ह' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

'फैमिली मैन 3' में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री, मनोज बाजपेयी ने किया कनफर्म

द फैमली मैन के तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब इस सीरीज में पाताल लोक फेम अभिनेता भी नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि की गई है। जानिए पूरी खबर।

मनोज वाजपेयी ने किया खुलासा

द फैमिली मैन सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज वाजपेयी ने ओटीटी प्ले से बातचीत करते हुए बताया कि पाताल लोक फेम अभिनेता जयदीप अहलावत द फैमिली मैन के आगामी सीजन में दिखने वाले हैं। अभिनेता ने कहा कि पाताल लोक 2 सीजन में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले जयदीप अहलावत हमारे साथ द फैमिली मैन 3 में दिखेंगे। अभिनेता मनोज ने बताया है कि यह सीजन बहुत बड़ा और रोमांचक होने वाला है।

कब रिलीज हो रही सीरीज?

पिछली जानकारी के अनुसार द फैमिली मैन के तीसरे सीजन को इसी साल रिलीज किया जाना है। मनोज वाजपेयी ने बताया कि इस सीरीज को इसी साल नवंबर में रिलीज किया जाएगा। इस जानकारी ने फैंस के बेसब्री को और बढ़ा दिया है। हालांकि, ऑफिशियल तारीख की अभी कोई घोषणा नहीं की गई है। वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति) सहित कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी जानकारी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिनमें से फिल्म स्पिरिट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसे खुद फिल्म के निर्देशक ने शेयर किया है।

स्पिरिट की नई लोकेशन शूट मैक्सिको

उगादि पर्व के खास मौके पर, संदीप रेड्डी वांगा ने एक नया अपडेट दिया, जिससे प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश हैं। संदीप ने बताया कि वह और उनकी टीम हाल ही में मैक्सिको गए थे, जहां उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खास जगह देखी हैं। उन्होंने यह बताया कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा मैक्सिको में ही शूट किया जाएगा, जिससे फिल्म में अंतरराष्ट्रीय तड़का नजर आएगा। टीम जल्द ही मैक्सिको जाकर लोकेशन फाइनल कर लेगी, ताकि आगे की शूटिंग शुरू हो सके।

फिल्म स्पिरिट

संदीप रेड्डी वांगा, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म मिलकर बना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग की जानकारी से प्रभास के फैंस बेहद खुश हैं। प्रभास के प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म को भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं। संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर तैयार कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 या उसके बाद कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास द राजा साब में नजर आएंगे। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है द राजा साब। फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में की गई थी।

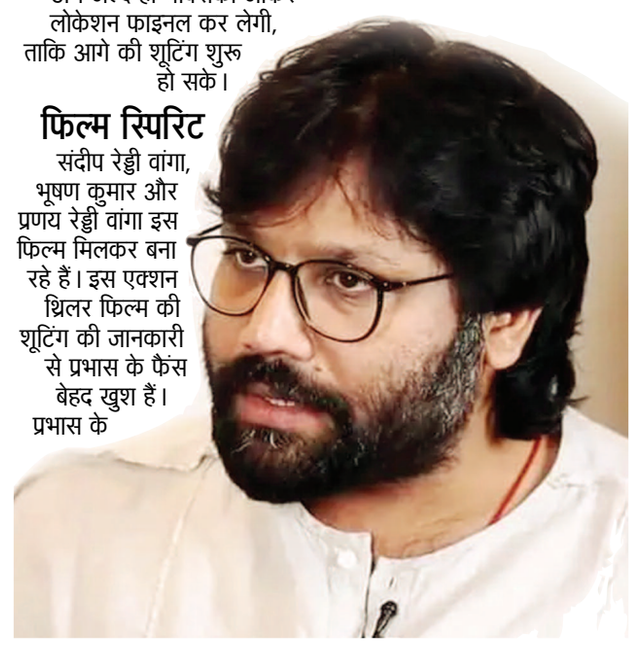

बॉलीवुड के लिए अप्रैल होगा धमाकेदार, रिलीज के लिए तैयार फिल्में .....

नई दिल्ली: बॉलीवुड में विक्की कौशल की फिल्म छावा की रिकॉर्डतोड़ कमाई के बाद अब अगली फिल्मों के सफल होने की भी उम्मीद जाग चुकी है. ऐसे में अप्रैल का महीना ऑडियंस के लिए खास धमाकेदार होने जा रहा है क्योंकि इस महीने में एक दो नहीं बल्कि कई फिल्में रिलीज होने जा रही हैं. एक तरफ छावा का राज छाया है और दूसरी तरफ सिकंदर अपनी सीट बचाने के लिए लड़ रही हैं. ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्मों की दस्तक होने जा रही है. खास बात ये है कि अप्रैल में रिलीज होने वाली कई फिल्में बड़े बजट की हैं जिन्हें लेकर काफी बज बन चुका है.चलिए जानते हैं कि इस महीने में कौन कौन सी फिल्में एंटरटेनमेंट का तड़का लगाने के लिए रेडी हैं.

अक्षय कुमार की केसरी 2 से लेकर जाट करेगी धमाल

इंडस्ट्री ट्रेड अनुमान लगा रहे हैं कि इन फिल्मों में अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2, जाट और ग्राउंड जीरो जैसी फिल्में ऐसी हैं जिनसे काफी उम्मीदे हैं और उनकी कमाई 500 करोड़ के पार जा सकती है. 2019 में आई अक्षय कुमार की फिल्म फिल्म केसरी ने काफी सफलता हासिल की थी. इसका अगला पार्ट भी शानदार होने के चांस हैं. केसरी चैप्टर 2 में अक्षय कुमार के साथ आर माधवन अहम रोल में दिखाई देंगे और अनन्या पांडे भी दिखेंगी. वहीं जाट की बात करें तो इसमें सनी देओल फिर से अपने एंग्री यंग मैन के अवतार में दिखने वाले हैं. इस फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने डायरेक्ट किया है जिनकी ये पहली हिंदी फिल्म है.इस फिल्म के जरिए सनी देओल दो साल बाद कमबैक करने जा रहे हैं.

अप्रैल में रिलीज होने वाली अन्य फिल्में

बड़ी और छोटी मिलाकर कई फिल्में इस महीने में आपको देखने को मिलेंगी. केसरी चैप्टर 2 18 अप्रैल को रिलीज हो रही है. फिल्म फुले 11 अप्रैल को रिलीज होगी. हॉरर कॉमेडी कही जा रही फिल्म भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज होगी और ये द ग्राउंड जीरो को टक्कर देगी जो 25 अप्रैल को रिलीज होने वाली है.

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।